आज का सुविचार

सच्ची लगन को काँटों की परवाह नहीं होती है।
- प्रेमचंद

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-58 भोपाल, शनिवार 08 जनवरी, 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग
पौष शुक्ल पक्ष
पंचमी, शुक्रवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	7:02/5:47
वर्षा/बादल %	01 %
नमी %	56 %
वायु (किमी/घं.)	10
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट
प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 49,620

शेयर सूचकांक

बीएसई	59601.84	-621.31
निफ्टी	17745.90	-179.35

पीएम मोदी बोले- भारत के 90 फीसदी लोगों को 1 डोज लग चुकी है

कोलकाता। कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के दूसरे परिसर के उद्घाटन कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा- आज दुनिया कोरोना के नए वैरिएंट का सामना कर रही है। केसेस तेजी से बढ़ रहे हैं। 150 करोड़ वैक्सीन डोज का सुरक्षा कवच हमारे लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। आज भारत में 90 फीसदी से ज्यादा लोगों को वैक्सीन की एक डोज लग चुकी है। सिर्फ 5 दिन में डेढ़ करोड़ से ज्यादा बच्चों को वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी है। ये उपलब्धि भारत की है। इसके लिए देश के वैज्ञानिकों, वैक्सीन बनाने वाले, हेल्थ सेक्टर के साथियों का धन्यवाद करता हूं। सबके प्रयासों से ही देश ने उस संकल्प को शिखर तक पहुंचाया है, जिसकी शुरुआत हमने शून्य से की थी। 100 साल की सबसे बड़ी महामारी से मुकाबले में सबका प्रयास की भावना ही देश को मजबूती दे रही है। कोविड से लड़ने के लिए बेसिक और क्रिटिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से लेकर दुनिया के सबसे तेज मुफ्त टीकाकरण अभियान तक ये ताकत हर तरफ दिख रही है। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस प्रोग्राम में हिस्सा ले रहे हैं।

ओमिक्रॉन को लेकर डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

नए वैरिएंट से संक्रमित लोग हॉस्पिटल भी जा रहे और मर भी रहे हैं, इसे हल्के में लेने की गलती न करें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओमिक्रॉन वैरिएंट ने दुनिया भर में कोरोना की सुनामी ला दी है। इसकी वजह से दुनिया भर के हेल्थ सिस्टम पर पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ रहा है। डब्ल्यूएचओ चीफ टेड्रोस गेब्रेयेसस ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दुनिया को चेताया है कि ओमिक्रॉन की वजह से दुनिया भर में लोगों की जान जा रही है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

ओमिक्रॉन दुनियाभर में लोगों की जान ले रहा

डब्ल्यूएचओ चीफ टेड्रोस ने कहा है कि ओमिक्रॉन दुनियाभर में लोगों की जान ले रहा है। वैक्सीनेटेड लोगों के लिए ओमिक्रॉन डेल्टा के मुकाबले कम खतरनाक साबित हो रहा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसे हल्के में लेना चाहिए। पिछले वैरिएंट की तरह ही ओमिक्रॉन लोगों को अस्पताल में भर्ती कर रहा है और मार रहा है। टेड्रोस ने कहा कि नया वैरिएंट रिकॉर्ड संख्या में लोगों को संक्रमित कर रह है। ये कई देशों में पिछले वैरिएंट डेल्टा से भी तेजी से फैल रहा है। कोरोना मामलों की सुनामी इतनी बड़ी और तेज है कि दुनियाभर के हेल्थ सिस्टम को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कोरोना की सुनामी बहुत तेज

हेल्थ सिस्टम पर बहुत ज्यादा दबाव

वैक्सीनेटेड लोगों को कम खतरा

वैक्सीन का सही डिस्ट्रीब्यूशन न होना सबसे बड़ी कमी

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान डब्ल्यूएचओ चीफ ने वैक्सीन के असमान वितरण को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने वैक्सीन के लिए अमीर देशों के लालच पर कहा- वैक्सीन का सही तरीके से डिस्ट्रीब्यूशन न होना पिछले साल सबसे बड़ी कमी रही। कुछ देशों में जहां जरूरत से ज्यादा हेल्थ सुविधाएं थीं, वहीं कुछ देश कमियों का सामना कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ चाहता था कि हर देश सितंबर 2021 तक अपनी 10 फीसदी और दिसंबर 2021 तक 40 फीसदी आबादी को वैक्सीन दे दे, लेकिन 194 देशों में से 92 देश तय किए गए टारगेट से चूक गए। इसका एक बड़ा कारण वैक्सीन की कमी थी। अब हमारा लक्ष्य है कि 2022 में जून-जुलाई तक हर देश में 70 फीसदी वैक्सीनेशन कम्प्लीट हो जाए। वैक्सीन रोल-आउट बिगड़ने से 109 देश फिर से इस टारगेट से पीछे रह जाएंगे।

ठुड्डी के नीचे मास्क पहनना बेकार

डब्ल्यूएचओ की मारिया वान केरखोव ने कहा- इस बात की बहुत कम संभावना है कि ओमिक्रॉन के बाद कोरोना महामारी खत्म हो जाएगी। महामारी से बचने के लिए हमें और ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। मैं यह देखकर हैरान हूं कि लोग कितनी लापरवाही से फेस मास्क पहन रहे हैं। इससे नाक और मुंह ढंकना पड़ता है। ठुड्डी के नीचे मास्क पहनना बेकार है। डब्ल्यूएचओ में क्लिनिकल मैनेजमेंट की हेड जेनेट डियाज ने कहा है कि शुरुआती रिसर्च से पता चला है कि डेल्टा के मुकाबले ओमिक्रॉन से हॉस्पिटल में एडमिट होने का खतरा कम रहता है।

24 घंटे में 25 लाख कोरोना संक्रमित: - दुनिया भर में बीते 24 घंटे में 25 लाख कोरोना केस दर्ज किए गए हैं। बीते रोज 6 देशों में एक लाख से ज्यादा कोरोना केस रजिस्टर्ड किए गए हैं। अमेरिका में दुनिया के सबसे ज्यादा 7.51 लाख कोरोना संक्रमित मिले हैं। कोरोना की वजह से दुनिया भर में अब तक 54.89 लाख से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

मुंबई से फिर पलायन

कोरोना की पहली लहर में अचानक लॉकडाउन के बाद बड़े शहरों से घर लौटने वाले प्रवासियों की दिल दहला देने वाली तस्वीरें हम सबने देखी हैं। महामारी की तीसरी लहर में एक बार फिर ऐसा ही नजारा दिख रहा है। मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रवासी मजदूर डेरा जमाए हैं। यहीं से उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाली ज्यादातर ट्रेनें रवाना होती हैं। मुंबई के प्रवासियों में बड़ी संख्या इन्हीं इलाके के लोगों की है। रेलवे स्टेशन पर प्रवासियों को पुलिस के डंडे खाने पड़े, ट्रेन का टिकट भी नहीं मिला। इसके बावजूद वे वहां से नहीं हिले। वजह साफ थी.. अगर मुंबई में लॉकडाउन लग गया, तो वे भूखे मर जाएंगे। ऐसे में सबकी कोशिश है कि कैसे भी लॉकडाउन से पहले अपने गांव-अपने घर पहुंच जाएं।

फिरोजपुर में जहां फंसा था प्रधानमंत्री का काफिला वहीं तलब किए गए पंजाब के आला अफसर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे में सुरक्षा चूक की जांच शुरू हो गई है। इसके लिए तीन मेंबर्स की केंद्रीय कमेटी पंजाब पहुंच गई है। टीम सबसे पहले उसी जगह पहुंची, जहामोदी का काफिला रुका था। इसके बाद टीम BSF के फिरोजपुर कैंप में गई। फिरोजपुर रेंज के DIG इंद्रबीर सिंह और स्स्क हरमनदीप सिंह हंस को यहीं तलब कर उनसे पूछताछ की गई। इसके अलावा उस दिन काफिले के आगे जाम वाली जगह पर तैनात रहे पुलिस कर्मचारियों से भी टीम पूछताछ कर रही है। इसके बाद पंजाब सरकार की तरफ से PM सिक्योरिटी का जिम्मा देख रहे ADGP जी. नागेश्वर राव और पंजाब के कार्यकारी छ्तक्कसिद्धार्थ चट्टोपाध्याय को भी पूछताछ के लिए तलब किया गया है। जहां मोदी का काफिला रुका था, वहां जाकर टीम ने देखा कि उस फ्लाईओवर के चारों तरफ किस तरह के हालात थे?

हाथ मलता रह गया ड्रैगन : त्रिंकोमाली में 99 ऑयल टैंक बनाने की डील करेंगे भारत-श्रीलंका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

छोटे देशों को कर्ज के जाल में फंसाने की रणनीति या कहें साजिश अपनाने वाले चीन को भारत ने श्रीलंका में करारा जवाब दिया है। भारत और श्रीलंका अगले कुछ दिन में एक बेहद अहम समझौता करने जा रहे हैं। भारत अब श्रीलंका में करीब 100 साल पुराने त्रिंकोमाली ऑयल फार्म को नए सिरे से बनाएगा। इस फार्म में 99 टैंक हैं। इस इलाके को 'चाइना-बे' यानी चीन की खाड़ी भी कहा जाता है। भारत ने बेहद सीक्रेट डिप्लोमैसी अपनाई और अब श्रीलंका के एनर्जी मिनिस्टर उदय गमनपिला और भारतीय विदेश मंत्रालय ने कन्फर्म कर दिया है कि कुछ ही दिन में भारत-श्रीलंका ऑयल टैंक फार्म डील पर दस्तखत करेंगे। श्रीलंका के नॉर्थ-ईस्ट में त्रिंकोमाली राज्य है। यहां 99 ऑयल टैंक्स का एक फार्म है। हर टैंक में 12 हजार किलोलीटर ऑयल स्टोर किया जा सकता है।

सावधान! भोपाल में कोरोना के 54 मरीज लापता

8 मरीजों ने RTPCR टेस्ट फॉर्म में गलत नंबर दिए, लापता मरीजों में 34 पुरुष और 20 महिलाएं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल में कोरोना संक्रमित 54 मरीज लापता हैं। स्वास्थ्य विभाग की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग टीम इन संक्रमित मरीजों को ट्रैस नहीं कर पाई है। 8 मरीजों ने जांच के दौरान सरकारी रिकॉर्ड में गलत मोबाइल नंबर दर्ज कराए हैं। बढ़ते संक्रमण के बीच लापता 54 मरीजों ने स्वास्थ्य विभाग की परेशानी बढ़ा दी है। वजह लापता संक्रमित मरीजों से दूसरे स्वस्थ लोगों के संक्रमित होने का खतरा है। यह खुलासा ढ्ढष्टस्क्क की कोविड पॉजिटिव पेशेंट कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट में शहर के संक्रमित 304 मरीजों का स्टेटस बताया गया है। भोपाल आईडीएसपी यूनिट के अफसरों के मुताबिक शहर में बीते छह दिन में मिले कोविड संक्रमितों में से 304 मरीजों की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग पूरी की जा चुकी है। इस दौरान 54 मरीजों को टीम ट्रेस नहीं कर सकी है। इसके चलते इन 54 मरीजों को स्टेटस रिपोर्ट में लापता (अनट्रेस) घोषित किया है। इन मरीजों ने कोरोना की जांच हमीदिया अस्पताल, एम्स, सुप्राटेक, डॉ. लालपैथ, सिटी मल्टी स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल, बंसल, एलएन मेडिकल कॉलेज और रेलवे स्टेशन पर कराई थी।

6 दिन में 304 मरीजों कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग

109 मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री मिली

70 संक्रमित ट्रेन और 26 फ्लाइट से भोपाल आए

ट्रेसिंग रिपोर्ट के अनुसार 36 फीसदी (109 मरीज) संक्रमितों की ट्रैवल हिस्ट्री मिली है। इनमें से 70 ने ट्रेन से और 26 ने फ्लाइट से कोविड पॉजिटिव होने के पहले यात्रा की थी। 13 संक्रमितों ने बस और अपनी व्यक्तिगत कार से प्रदेश के अलग-अलग शहरों की यात्रा की थी।

बारिश और ओलवृष्टि को लेकर कमलनाथ ने किया ट्वीट नरोत्तम ने कहा किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश और ओलवृष्टि को लेकर कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट किया. उन्होंने कहा कि बारिश से फ़सले ख़राब होने की जानकारी सामने आई है. मै सरकार से माँग करता हूं कि जल्द से जल्द सर्वे करवाकर किसानों को मुआवज़ा प्रदान कर राहत प्रदान की जाए, क्योंकि किसान पहले से ही खाद, बिजली, बीज के संकट से जूझ रहे हैं और ऐसे में इस ओलवृष्टि ने उन्हें और संकट में डाल दिया है. इसके बाद प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का बयान आया.

किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं:- नरोत्तम मिश्रा ने कहा ओला और अतिवृष्टि को लेकर किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है. सरकार किसानों के साथ है. अतिवृष्टि के आंकलन के लिए सभी राजस्व अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं. साथ ही मुख्यमंत्री खुद इस मामले को मॉनिटर कर रहे हैं. गृहमंत्री ने कहा अतिवृष्टि की सूचना गुना, राजगढ़, विदिशा से आई थी. इसके बाद स्वयं मुख्यमंत्री इस मामले को मॉनिटर कर रहे हैं. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि सीएम ने आदेश दिया है और राजगढ़ के कलेक्टर, गुना कलेक्टर तत्काल गांव की ओर रवाना हों. भोपाल संभाग में सुबह से पानी गिरा है।

हवाओं का रुख दक्षिण-पूर्वी की ओर:- प्रदेश में दरअसल अलग-अलग स्थानों पर चार वेदर सिस्टम बना हुआ है, जिस कारण मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में गरज और चमक के साथ बारिश हो रही है. साथ ही कई जगह लगातार बारिश परेशनी बनती जा रही है. बता दें कि राजस्थान में बने चक्रवातीय घेरे के कारण कल से शहर में बूंदाबांदी का सिलसिला लगातार जारी रहा. जिस वजह से हवाओं का रुख दक्षिण-पूर्वी की ओर होने के कारण मध्यप्रदेश के अधिकतर जिलों में बादल छाने लगे हैं. इस वजह से शुक्रवार यानी आज से बारिश में और तेजी आने की संभावना जताई जा रही है .ऐसे में ठंड का मिजाज 10 जनवरी तक अभी ऐसा ही बना रहने के आसार जताये जा रहे हैं मौसम विभाग के अनुसार 9 जनवरी से मौसम में फिर बदलाव होगा और 12 जनवरी तक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की सम्भावना जताई है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

एयरपोर्ट रोड पंचवटी कॉलोनी में नवनिर्मित 2 BHK फ्लैट बेचना है, कवर्ड केम्पस में सेपरेट पार्किंग, लिफ्ट, फाल- सीलिंग, मोड्यूलर किचिन, 24घंटे पानी, सर्वसुविधायुक्त 9827062212, 8982702122

फ्लैट बेचना है 3 BHK,1856 वर्गफीट थर्ड फ्लोर, गार्डन/ स्विमिंगपुल, फेसिंग कोरलवुड की प्राइम लोकेशन मेन होशंगाबाद रोड पर कीमत 60 लाख संपर्क 9630058868

बेचना है माकन 1500 वर्गफीट बना, पत्रकार कॉलोनी में, कर पार्किंग सुविधा, लिंक रोड के पीछे, रीजनेबल रेट, संपर्क करे- 9098743006, 9300718467

For sale 1200/2100 Sqft Commercial Plots on 200ft Rode & 80ft @ Bagmugaliya Near Aashima mall & 968/1452 sqft @ Misrod Phase-2, BDA. Chugh Syndicate Property Pvt Ltd- 7000122016, 9425666664

बेचना है 22600 वर्गफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

वगफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

बेचना है अरविन्द विहार बागमुगलिया में 2400 sqft पर बना शानदार बंगला शीघ्र बेचना है संपर्क करे- 9993176488, 9826039606

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

किराये से देना है फर्स्ट फ्लोर पर नवनिर्मित फ्लैट 2 बेडरूम, 1 हॉल, किचिन, 2 बालकनी कवर्ड केम्पस लाइफस्टाइल ब्लू, आकृति ग्रीन के सामने, सलैया संपर्क - 9926453501, किराया - 7500/-प्रति महा एवं प्रति महा 1260/- सोसाइटी मेंटेनेस

Luxury 3 BHK Singlex fully furnished in Trilanga colony Rent 23000/- Contact- 8962643902.

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 BHK फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sq ft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता है रियल स्टेट कंपनी कोलार में अनुभवी स्टाफ की सेल्स मैनेजर (15k) एग्जीक्यूटिव (10k) सेलरी + इंसेंटिव कार्यालय M.H. इन्फ्रा चूना भट्टी भोपाल मो. 9302555495, 9826533189

Job Openings in waaree Energies Limited, 8140106217, 8369888296 www.waaree.com

Required Sales staff (female) store manager (male) cashier (male) for imitation jewellery store at newmarket. Age minimum25 yrs. Send your resume WhatsApp at 9343529570.

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

Required Marketing Executives for Hyderabad based MFG organization. Willing to travel MP, UP., Chhattisgarh, Orissa, West Bengal & North India. Handsome Salary+ Attractive Incentives. Please mail CV to: Info@premierindustries.net

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. 8850388123

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

खबर की खबर

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक या साजिश

पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला गर्म है। यह कहा जाए कि यह राजनीतिक रूप ले रहा है तो भी कदाचित गलत नहीं होगा। पंजाब में हुई इस घटना के बाद कांग्रेस की चरणजीत सिंह चन्नी सरकार सवालों के कठघरे में खड़ी है। देशभर में उसकी आलोचना हो रही है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का तर्क है कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई है। अगर यह जरा भी सच है तो फरीदकोट और फिरोजपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को किसलिए निलंबित किया गया? क्या उन्हें बेमतलब सजा दे दी गई।यह चूक आखिर किसकी है? यह तो सुस्पष्ट होना ही चाहिए।

मौसम पर किसी का भी वश नहीं। वह कहीं भी, कभी भी खराब हो सकता है। अतिविशिष्ट लोगों के सड़क मार्ग से दौरे हमेशा चुनौतीपूर्ण होते हैं फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तो पाकिस्तान और चीन की बड़ी अदावत है, ऐसे में उनकी सुरक्षा को लेकर तो वैसे भी रिस्क नहीं लिया जा सकता। यह सब जानते हुए भी प्रधानमंत्री के मार्ग का सार्वजनिक हो जाना कांग्रेस सरकार की लापरवाही और साजिश नहीं तो और क्या है? रूट लीक होने की पुष्टि करता एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें लाउडस्पीकर से भीड़ एकत्र करने और 20 ट्रैक्टर ट्रॉली खड़ा कर मार्ग अवरुद्ध करने की बात कही जा रही है।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह देश आतंकी हमलों में अपने दो प्रधानमंत्री खो चुका है और तीसरे प्रधानमंत्री को खोने का उसमें तनिक भी धैर्य नहीं है। जिस फ्लाईओवर के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला 20 मिनट तक फंसा रहा, उस जगह पहले भी विस्फोटक घटना हो चुकी है। कांग्रेस को यह नहीं भूलना चाहिए कि इंदिरा गांधी की हत्या जब उनके दो सिख अंगरक्षकों ने की थी तो देश भर में सिखों के कत्लेआम शुरू हो गए थे। उनकी संपत्तियों को या तो लूट लिया गया था या फिर उन्हें आग के हवाले कर दिया गया था। वह तो अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया। अगर उनके साथ कोई आतंकी घटना हो जाती तो देश में अशांति फैल जाती तो कांग्रेस क्या ऐसा कुछ करना चाहती थी।

सुनील जाखड़ ने अपने ही दल कांग्रेस की मुखालफत करते हुए कहा है कि पंजाब में मोदी को सुरक्षा न देना लोकतंत्र और पंजाबियत के अनुकूल नहीं है। कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुखदेव ढींढसा और शिरोमणि अकाली दल ने भी प्रधानमंत्री को पंजाब में माकूल सुरक्षा न देने की आलोचना की है और वहां राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग की है। जब एसपीजी ने मुख्य सचिव और गृह सचिव से रूट तय कर लिया था, तभी तो प्रधानमंत्री का काफिला उस मार्ग से रवाना हुआ था। अगर उस मार्ग पर पहले से ही किसान बैठे थे, आंदोलन कर रहे थे तो क्या प्रधानमंत्री को संकट में डालने की यह कांग्रेस की चाल थी। जिस तरह पुलिस ने तथाकथित प्रदर्शनकारी किसानों से झड़प के बाद भाजपाइयों पर लाठियां भांजी, उसका मंतव्य साफ है

खबर, केवल खबर होती है

आपका अखबार है

सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,

ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

Shop for Sale:
Inside Complex, 10x11 fts, ground floor, DIG Bungalow, Berasia Road, Bhopal
Mb 7000831264, 9752705333

To let Shop:
Inside Complex, 10x14 fts, ground floor, Arera Colony, 10 No Market, Bhopal
Mb 7000831264, 9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

न्यूज ब्रीफ

पहले वाले टीके की ही बूस्टर

नई दिल्ली। सरकार ने आज कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों और किसी बीमारी वाले 60 साल से अधिक के लोगों को बूस्टर खुराक उसी टीके की लगाई जाएगी, जिसकी पहले दो खुराक लगी हैं। यह घोषणा उस दिन की गई है, जब देश में कोविड के मामलों में भारी बढ़ोतरी हुई है। पिछले आठ दिनों में दैनिक मामले 6.3 गुना बढ़कर 58,000 पर और दैनिक संक्रमण दर 5 फीसदी से ऊपर पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राजस्थान में एक व्यक्ति की ओमीक्रोन से मौत की पुष्टि की है। राष्ट्रीय कोविड कार्यदल के चेयरमैन और नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी के पॉल ने कहा, %यह प्रक्रिया शुरू करने के लिए सभी व्यवस्थाएं सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। हम मिश्रित या समान खुराक पर आने वाली किसी सूचना पर नजर बनाए रखेंगे। सरकार का पहली दो खुराकों के समान तीसरी खुराक को मंजूरी देने का कदम सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के लिए अच्छा है, जिसके पुणे स्थित संयंत्र में 50 करोड़ खुराकों का स्टॉक है। कंपनी के सूत्रों ने कहा, %इस समय पुणे संयंत्र में 25 करोड़ तैयार फॉर्म्यूलेशन हैं, जबकि अन्य 25 करोड़ बल्क फॉर्म में हैं। हमें बल्क को तैयार खुराकों में बदलने के लिए 80 दिनों की जरूरत होगी। भारत बायोटेक ने कहा कि वह जनवरी में कोवैक्सीन की 8 करोड़ खुराक उत्पादित करना शुरू कर देगी ये खुराक बाजार में मार्च-अप्रैल के आसपास उपलब्ध हो जाएंगी। इस समय यह कंपनी हर महीने 5.5 से 6 करोड़ खुराकों का उत्पादन कर रही है। एहतियाती या तीसरी खुराक लगाने की 10 जनवरी से शुरुआत की जाएगी। करीब तीन करोड़ स्वास्थ्यकर्मी और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी एहतियाती खुराक लगवाने के लिए पात्र होंगे। भारत में 60 साल से अधिक उम्र के 13.8 करोड़ लोग हैं। वे अपनी दूसरी खुराक के 9 महीने पूरे होने के बाद तीसरी खुराक लगवाने के लिए पात्र होंगे। बुजुर्गों का टीकाकरण मार्च 2021 में शुरू हुआ था। हालांकि भारत बायोटेक की कोविड टीकों की प्रोजेक्ट लीड रोसेस एल्ला ने सोमवार को कोविशील्ड (एस्ट्राजेनेका) टीके की तीसरी खुराक की प्रभाविता पर सवाल उठाया था। एल्ला ने एक ट्वीट में कहा था कि निष्क्रिय और सबयूनिट टीके एकसमान या अलग-अलग बूस्टर के लिए सबसे उपयुक्त हैं। कोवैक्सीन और कोवोवैक्स जैसे टीके निष्क्रिय और सबयूनिट टीके हैं। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के ग्रीन टेंपलटन कॉलेज में वरिष्ठ शोध फेलो शाहिद जमील ने हाल में कहा था कि जिन करीब 90 फीसदी भारतीयों को कोविशील्ड टीका लगा है, उनके लिए कोवोवैक्स सबसे अच्छा बूस्टर टीका होगा। उन्होंने पहले बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया था, %वेक्टर रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत अच्छी रहेगी। जिन लोगों को कोविशील्ड की दो खुराक लग चुकी हैं, उन्हें इसी टीके की बूस्टर खुराक लगाने से ज्यादा फायदा नहीं मिलने के आसार हैं।

जियो की नई यूपीआई ऑटोपे सर्विस : अब हर महीने फोन रिचार्ज कराने का ध्यान नहीं रखना होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिलायंस जियो और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने टेलिकॉम इंडस्ट्री के लिए UPI ऑटोपे का ऐलान किया है। कंपनी की इस सर्विस से करोड़ों यूजर्स को बार-बार रिचार्ज कराने की टेंशन खत्म हो जाएगी। जियो यूजर्स अपने पसंदीदा टैरिफ प्लान के लिए UPI ऑटोपे का इस्तेमाल करके मायजियो ऐप पर स्थाई ऑर्डर सेट कर सकते हैं। ग्राहकों के लिए इस तरह की सर्विस शुरू करने वाला रिलायंस जियो पहला टेलिकॉम ऑपरेटर भी बन गया है।

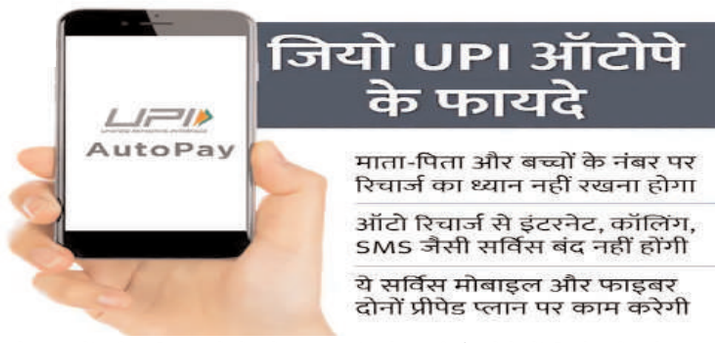

क्या है UPI ऑटोपे?

रिलायंस जियो ने UPI बेस्ड ऑटोपे सर्विस को जियो ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए लॉन्च किया है। ज्यादातर ग्राहकों को अगले रिचार्ज की तारीख याद रखनी होती है। यदि समय पर रिचार्ज नहीं कराया तब सर्विस भी बंद हो जाती है। ऐसे में जियो की नई UPI ऑटोपे सर्विस से हर महीने रिजार्ज की टेंशन खत्म हो जाएगी। इसके लिए ग्राहक को UPI ऑटोपे सर्विस को अपने बैंक अकाउंट या डेबिट कार्ड से जोड़ना होगा।

कभी भी बंद कर पाएंगे ऑटोपे सर्विस

जियो ग्राहक यूपीआई बेस्ड ऑटोपे सर्विस के लिए निर्देश को स्वछ्छ्दश ऐप पर सेट कर पाएंगे। जियो ग्राहकों को 5000 रुपए तक के रिचार्ज पर कोई यूपीआई पिन नहीं दर्ज करना होगा, लेकिन 5000 रुपए से ज्यादा का रिचार्ज करते हैं, तो यूपीआई पिन दर्ज करना होगा। जियो यूजर समय-समय पर अपने हिसाब से टैरिफ प्लान को अपडेट भी कर पाएंगे। साथ ही अन्य बदलाव भी कर पाएंगे। उन्हें लगता है तब ऑटोपे सर्विस को रोक भी सकते हैं।

ऑटोपे मोड सिक्योर रहेगा

NPCI के चीफ ऑफ प्रोडक्ट ऑफिसर कुनाल ने बताया कि जियो के साथ साझेदारी से ग्राहक के मोबाइल टैरिफ प्लान रिचार्ज के एक्सपीरिएंस में काफी बदल आने वाला है। साथ ही NPCI की तरफ से जियो ग्राहकों को एक्स्ट्रा लेयर सिक्योरिटी मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि यूपीआई बेस्ड ऑटोपे सर्विस पूरी तरह से सिक्योर है। रिलायंस जियो की ये सर्विस प्रीपेड ग्राहकों के लिए है। जियो की यूपीआई ऑटोपे सर्विस आने के बाद भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया जैसी कंपनियां भी यूपीआई ऑटोपे सर्विस लाने की प्लानिंग बना रही हैं।

रोजगार सृजन की चुनौती से जूझ रहा भारत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिसंबर 2021 में बेरोजगारी दर बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गई। नवंबर में यह दर 7 प्रतिशत रही थी। एक वर्ष पहले दिसंबर 2020 में बेरोजगारी दर 9.1 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर थी। विगत कुछ दिनों की तुलना में भारत में इस समय बेरोजगारी दर ऊंचे स्तर पर है। वर्ष 2018-19 में यह दर 6.3 प्रतिशत रही थी जबकि 2017-18 में यह 4.7 प्रतिशत दर्ज की गई थी। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर इन तीनों महीनों में प्रत्येक में बेरोजगारी दर 7 प्रतिशत या इससे अधिक रही है। दिसंबर 2021 में समाप्त तिमाही में बेरोजगारी दर 7.6 प्रतिशत थी। इससे पहले सितंबर 2021 तिमाही में यह दर 7.3 प्रतिशत रही थी। देश में इस समय बेरोजगारी दर 7 प्रतिशत से अधिक है और महंगाई दर भी सहज स्तर यानी 4 प्रतिशत से अधिक (5 प्रतिशत) हो गई है। ये दोनों परिस्थितियां भारत के लिए एक के बाद एक चुनौती पेश कर रही हैं। निकट भविष्य में महंगाई में इजाफा होने का अंदेशा है, वहीं इस बात का भी कोई संकेत नहीं है कि बेरोजगारी दर में बहुत कमी आ सकेगी। इस वजह से मौजूदा स्थिति की तुलना में आने वाला समय आर्थिक परिदृश्य के लिहाज से और बदतर लगता है। दो और स्थितियां बनती दिख रही हैं। पहली बात तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा नीतिगत दरें नहीं बढ़ाने के बावजूद दरें बढ़ रही हैं। बैंकों की उधारी दर तो कमोबेश स्थिर लग रही है मगर बाजार दरें बढ़ रही हैं। आधार दर और एमसीएलआर (बैंकों की उधारी दरें परिलक्षित करने वाली दरें) सभी लगभग स्थिर हैं या हाल के दिनों में कम हो रही हैं। मगर विभिन्न परिपक्वता अवधि वाले %एएए% रेटिंग वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ रहे हैं। इस बात की गुंजाइश कम ही है कि बैंक अब लंबे समय तक मौजूदा ब्याज दर बरकरार रख पाएंगे। दिसंबर मध्य में एसबीआई ने पिछले दो वर्षों में पहली बार आधार दर बढ़ा दी थी। दूसरी बात यह है कि 2021 में अधिकांश समय डॉलर की तुलना में रुपये में गिरावट देखी गई। दिसंबर 2021 तक डॉलर की तुलना में रुपया 75.5 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच चुका था। जनवरी 2021 से यह 3 प्रतिशत लुढ़क चुका था। घरेलू उपभोक्ताओं के स्तर पर मांग में कमी और क्षमता का इस्तेमाल कम रहने से भारत में निवेश पर प्रतिकूल असर हुआ है। अब ब्याज दरों में तेजी और रुपये के मूल्य में ह्रास हालात और कठिन बना सकते हैं। नए उद्यमों में निवेश में तेजी आने तक रोजगार में वृद्धि कमतर रहेगी। ढांचागत क्षेत्र में नए निवेश निर्माण खंड में रोजगार सृजन में मदद कर सकती है मगर यह मध्यम वर्ग के वेतनभोगी लोगों के लिए पर्याप्त रोजगार नहीं ला पाएगा। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न हालात के बाद अर्थव्यवस्था कमजोर हो गई थी। अब 18 महीने बीतने के बाद भी उपलब्ध रोजगार इस महामारी से पूर्व के स्तरों तक नहीं पहुंच पाए हैं। 2019-20 में भारत में 40.89 करोड़ लोग रोजगार में थे। मगर उस समय से देश में कुछ ही समय के लिए 40.6 करोड़ लोग रोजगार से जुड़े रहे हैं।

सेंसेक्स में 402 पॉइंट्स की तेजी, 60 हजार के पार पहुंचा, बैंकिंग स्टॉक्स में बढ़त

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

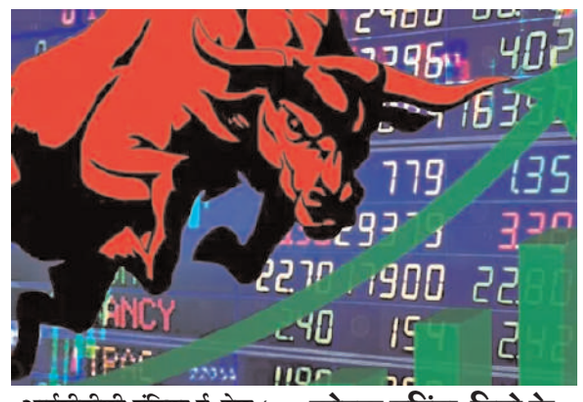

शेयर बाजार में कल की भारी गिरावट के बाद आज तेजी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 402 पॉइंट्स बढ़कर 60,010 पर पहुंच गया है। बैंकिंग शेयर बढ़त में कारोबार कर रहे हैं।

175 अंक ऊपर खुला था सेंसेक्स

आज सेंसेक्स 175 पॉइंट्स ऊपर 58,776 पर खुला था। दिन में इसने 60,054 का ऊपरी और 59,727 का निचला स्तर बनाया। इसके 30 शेयर्स में से 4 शेयर गिरावट में बाकी 26 बढ़त में हैं। गिरने वाले प्रमुख स्टॉक में मारुति, नेस्ले, डॉ. रेड्डी और HDFC हैं। बढ़ने वाले प्रमुख शेयर में टाइटन, ICICI बैंक, SBI और HDFC बैंक 1-1 फीसदी से ज्यादा बढ़े हैं।

कोटक महिंद्रा, विप्रो के शेयर तेजी में

कोटक महिंद्रा बैंक, विप्रो, पावर ग्रिड, NTPC, एशियन पेंट्स, एयरटेल, सन फार्मा और ङ्मष्ट्स के भी शेयर तेजी में कारोबार कर रहे हैँ। सेंसेक्स के 406 स्टॉक अपर सर्किट में और 79 लोअर सर्किट में हैं। इसका मतलब यह है कि एक दिन में इन शेयर्स में इससे ज्यादा बढ़त या गिरावट नहीं हो सकती है। लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 272.57 लाख करोड़ रुपए है। उधर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 129 अंक ऊपर 17,885 पर कारोबार कर रहा है। इसने दिन में 17,852 का ऊपरी और 17,787 का निचला स्तर बनाया।

डंजो का फोकस क्विक डिलीवरी पर

क्विक कॉमर्स कैटेगरी मार्केट में डंजो मार्केट लीडर

कंपनी का वैल्यूएशन 5,900 करोड़ रुपए के पार

15-20 मिनट में प्रोडक्ट की डिलीवरी पर फोकस

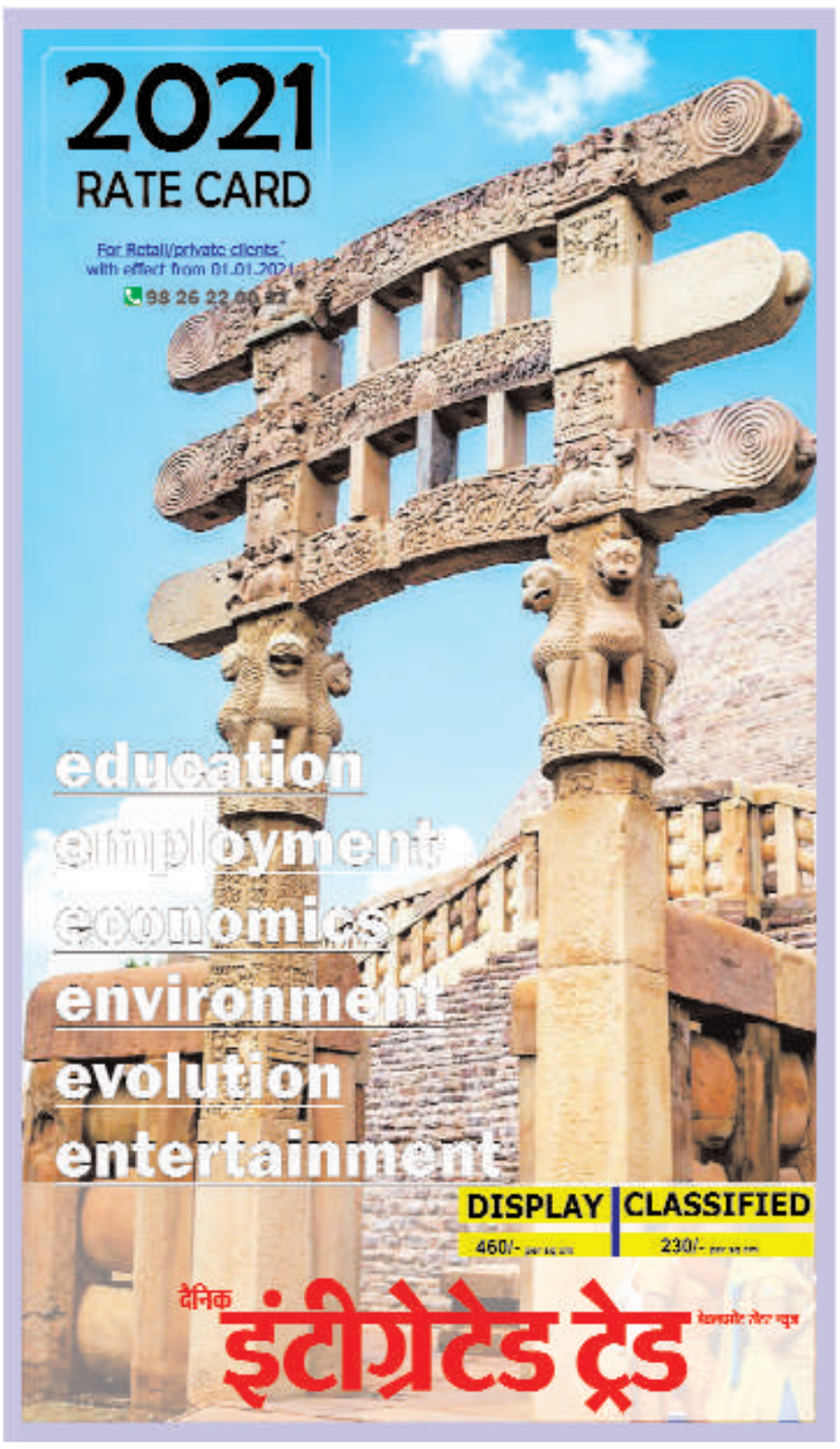

जनगणना में जनसंख्या को लेकर बढ़ा रहस्य

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनसंख्या के आंकड़ों को आधिकारिक रूप से रखने वाले रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (आरजीआई) को कोविड-19 की दूसरी लहर से पैदा हुई मुश्किलों के कारण जनगणना 2021 के लिए डेटा संग्रह करने में देरी हुई है। इसके तात्कालिक अनुमान 2022 में आ सकते हैं लेकिन व्यापक डेटा 2024 से पहले उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। अब अहम सवाल यह है कि महत्त्वपूर्ण आंकड़ों के अभाव में हम भारत की जनसंख्या और जनसांख्यिकी के बारे में क्या जानते हैं और हम नीतियां कैसे तैयार करते हैं? 2019 में आरजीआई के अनुमान, संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग के सालाना अद्यतन अनुमान के मुताबिक और आधार डेटाबेस में दिए गए अनुमान जैसे तीन डेटा स्रोतों के अनुसार, देश की आबादी 1.36 अरब और 1.38 अरब के बीच है। आंकड़ों में ज्यादा अंतर नहीं है लेकिन जब हम आयु समूहों और जनसांख्यिकी के आंकड़ों को बारीकी से देखते हैं तो बड़े बदलाव नजर आने लगते हैं। आरजीआई के तहत आने वाले एक विभाग, सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम ने राष्ट्रीय आबादी में व्यापक आयु-समूहवार अनुपात की पेशकश की है। ताजा आंकड़ा 2018 के लिए है। इससे पता चलता है कि सात सालों (2012 से 2018) में कामकाजी उम्र की आबादी की हिस्सेदारी 62.6 फीसदी से बढ़कर 66 फीसदी तक हो गई है। कामकाजी उम्र की आबादी में बच्चों की हिस्सेदारी में कमी आई है। भारत की औसत उम्र 2011 के 25 साल से बढ़कर 2020 में 2 9 साल हो गई है। इससे पता चलता है कि भारत को पिछले दशक (2011 से 2021 तक) में पहले से ज्यादा नौकरियों की जरूरत थी। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण से अंदाजा मिलता है कि यह जरूरत काफी हद तक पूरी नहीं हुई है। सभी उम्र के लिए बेरोजगारी की दर 2019-20 में 4.8 प्रतिशत थी जबकि कामकाजी उम्र की आबादी के लिए यह दर 5.2 प्रतिशत थी। हालांकि 15-29 की उम्र वर्ग में यह दर 15 फीसदी अधिक रही। कामकाजी उम्र की आबादी में शामिल होने वाले नए लोगों को पिछले दशक के अनुभवी वयस्कों की तुलना में अधिक बेरोजगारी का सामना करना पड़ा। विस्तृत जनगणना 2021, जब भी आएगा तभी जनसंख्या में पूर्णकालिक कामगारों और सीमांत (अंशकालिक) कामगारों की हिस्सेदारी का पता चलेगा। इसके अलावा, हिंदीभाषी राज्यों में बच्चों की आबादी में 25-30 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। ऐसा लगता है कि 60 से अधिक उम्र के लोगों की संख्या शहरी और औद्योगीकृत दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर में सबसे तेजी से बढ़ी है। इन जनसांख्यिकीय बदलावों के सटीक आंकड़ों के बिना इसका अंदाजा नहीं मिल पाएगा कि राज्यों ने इस दिशा में अपनी नीतियां और सार्वजनिक खर्च तय की हैं या नहीं। केंद्रीय और राज्य बजट खर्च को प्राथमिकता देने में एक बड़ा कारक ग्रामीण और शहरी आबादी का हिस्सा है। केंद्रीय बजट खर्च के लिए अधिक प्रत्यक्ष समर्थन की आवश्यकता होती है जबकि राज्य के बजट खर्च में बड़े निवेश को आकर्षित करने की उम्मीद होती है। उपलब्ध जनसंख्या अनुमानों से पता चलता है कि कुछ राज्यों में शहरीकरण में तेजी आई है।

नए साल में : चीन की चुनौती से कैसे निपटें

नए वर्ष के पहले ही दिन दो घटनाओं ने चीन के साथ अपने संबंधों पर भारत का ध्यान आकृष्ट किया। पहला एक वीडियो था, जिसमें गलवान घाटी में चीन का झंडा फहराया जा रहा था। यह वही जगह थी, जहां जून, 2020 में भारतीय एवं चीनी सैनिकों के बीच घातक झड़प हुई थी। दूसरी घटना भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच नए साल के अवसर पर मिठाइयों के आदान-प्रदान की तस्वीरें थीं। जिन दस जगहों पर मिठाइयों का आदान-प्रदान हुआ, उनमें से सात पूर्वी लद्दाख में थीं, जहां दोनों देशों की सेनाएं पिछली गर्मियों से अभूतपूर्व तैनाती में एक-दूसरे का सामना कर रही हैं। वास्तव में, दोनों देश अब भी कुगरंग नदी घाटी में पेट्रोलिंग प्वाइंट (पीपी) 15 जैसे अन्य क्षेत्रों से चीन को बाहर निकलने, देपसांग में बॉटलनेक प्वाइंट में अपनी नाकाबंदी हटाने और भारतीय गश्ती दल को लगभग 900 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में जाने की अनुमति देने पर सहमति बनाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। भारतीय सैन्य सूत्रों का कहना है कि गलवान वीडियो टकराव की जगह पर शूट नहीं किया गया था, जो बहुत संभव है कि यह एक दुष्प्रचार (प्रॉपेगैंडा) था। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि इसका असर हुआ, तीन दिन बाद भारतीय सेना ने गलवान में भी तिरंगा फहराए जाने की अपनी तस्वीर लगाई, लेकिन कहां, यह स्पष्ट नहीं है। नए साल के अपने सालाना भाषण में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत या किसी भी अन्य देश का जिक्र नहीं किया। लेकिन नए साल पर अपनी टिप्पणी में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारत का उल्लेख किया और कहा कि चीन ने कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में विवाद को प्रभावी ढंग से प्रबंधित और नियंत्रित किया है। दोनों देश वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के नजदीक लगातार अपनी स्थिति को मजबूत बना रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने पैंगोंग झील के सबसे संकरे बिंदु पर एक पुल का निर्माण किया है, ताकि उनके आधार क्षेत्रों से झील के उत्तरी किनारे तक आवाजाही को सुगम बनाया जा सके। यह सब भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पूर्वी लद्दाख सहित अग्रिम क्षेत्रों में कई पुलों और सड़कों का आभासी (वर्चुअल) उद्घाटन के ठीक एक हफ्ते बाद हुआ है। चीनी और भारतीय सैन्य अधिकारियों के बीच 13वें दौर की वार्ता बेनतीजा रही। 14वें दौर की बातचीत के बारे में खबरें आई हैं, लेकिन अब तक कोई पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले के दौर की बातचीत गलवान और पैंगोंग त्से से सैनिकों की वापसी कराने में सफल रही। लेकिन सरकार ने अब तक सबसे गंभीर समस्या देपसांग के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा है, जहां लगभग 900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर चीनी सैनिकों का कब्जा है। ऐसा लगता है कि सरकार इस क्षेत्र को चीन को सौंपने के लिए तैयार है। कुगरंग नदी घाटी और डेमचोक के पास चारडिंग नाला में कई अन्य क्षेत्र भी हैं, जहां से चीनी अभी तक पीछे नहीं हटे हैं। यहां तक कि पूर्वी लद्दाख में चीनियों के साथ अपने सैनिकों के सामना करने के बावजूद, भारत दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में निरंतर चीनी बढ़त का सामना कर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था के आकार और इसकी सैन्य क्षमता को देखते हुए, दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में इसे प्रधानता मिलनी चाहिए, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। पाकिस्तान, निश्चित रूप से एक ज्ञात समस्या है। लेकिन नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है। नए साल के संबोधन के दो दिन पहले यह घोषणा की गई थी कि चीनी विदेश मंत्री वांग यी की 2022 में पहली विदेश यात्रा इरिट्रिया, केन्या और कोमोरोस के साथ मालदीव, श्रीलंका की होगी। इन सभी देशों से भारत के हित जुड़े हैं, विशेष रूप से श्रीलंका से, जो भारतीय प्रायद्वीप से लगभग 30 किमी दूर है। वहां राजपक्षे परिवार फिर से सत्ता में है।

नए साल पर अपनी टिप्पणी में चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने भारत का उल्लेख किया और कहा कि चीन ने कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में विवाद को प्रभावी ढंग से प्रबंधित और नियंत्रित किया है। दोनों देश वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के नजदीक लगातार अपनी स्थिति को मजबूत बना रहे हैं। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने पैंगोंग झील के सबसे संकरे बिंदु पर एक पुल का निर्माण किया है, ताकि उनके आधार क्षेत्रों से झील के उत्तरी किनारे तक आवाजाही को सुगम बनाया जा सके।

संपादकीय

बुल्ली बाई प्रकरण : संवेदनाओं और मूल्यों की नीलामी

लंबे संघर्ष के बाद अर्जित स्वतंत्रता, सशक्त लोकतांत्रिक व्यवस्था और गौरवशाली नागरिक जीवन का हासिल हम चंद महीनों में ही खो देंगे, मध्ययुगीन सामंती व्यवस्था की वापसी हो रही है जहां हिंसा है, प्रतिशोध है, जहां औरतों की आज़ादी के लिए कोई जगह नहीं है। अंतर केवल एक है- अब हमारे पास औरतों को अपमानित और प्रताड़ित करने के लिए उन्नत तकनीक है। दुर्भाग्य है कि तकनीक तो विकसित हो रही है। निश्चित ही नफरत के पुजारियों ने इस बात का जश्न मनाया होगा कि वे बीस-इक्कीस वर्ष की आयु के तीन हिन्दू युवकों तथा अठारह वर्षीय हिन्दू युवती में इतनी गहरी घृणा भर सके कि इन्होंने मुस्लिम महिलाओं की ऑनलाइन नीलामी के लिए बुल्ली बाई जैसा निंदनीय और निर्मम एप बनाया। इसे चर्चित करने के लिए नववर्ष के प्रथम दिवस का चयन किया गया जब लाखों देशवासियों की भांति यह मुस्लिम महिलाएं भी जम्हूरियत को बचाने, औरतों के हक़ की लड़ाई को नए जोश से आगे बढ़ाने तथा मुल्क में अमन-चैन और भाईचारे का माहौल स्थापित करने के लिए संकल्पबद्ध हो रही थीं। इन मुस्लिम महिलाओं के मनोबल को तोड़ने के लिए बड़ी ही चतुर नृशंसता से नव वर्ष के उत्सव भरे दिनों का चयन किया गया। बुल्ली बाई एप के निर्माता मुस्लिम महिलाओं के अपमान तक ही सीमित नहीं रहे। उन्होंने झूठी सिख पहचान गढ़ी, एप की भाषा में पंजाबी को प्रधानता दी गई और पगड़ी को एप का लोगो बनाया गया। इसे खालिस्तान समर्थक भी दिखाने की कोशिश हुई। इस तरह न केवल सिख समुदाय की छवि को धूमिल किया जा सकता था अपितु सिख तथा मुस्लिम समुदाय के मध्य शत्रुता भी उत्पन्न की जा सकती थी। हो सकता है कि एप के निर्माण से जुड़े लोग कृषि कानूनों पर सरकार के बैकफुट पर जाने के लिए सिख किसानों को जिम्मेदार समझते हों और इस तरह उनसे प्रतिशोध ले रहे हों। क्या यह महज एक संयोग है कि बुल्ली बाई एप तब आया है जब पंजाब, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में चुनाव निकट हैं और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशें अपने चरम पर हैं। क्या यह महज एक संयोग था कि इसी तरह की कुत्सित मानसिकता को दर्शाने वाला पहला एप सुल्ली डील्स तब सामने आया था जब बंगाल के चुनाव निकट थे और उस समय भी साम्प्रदायिक दुष्प्रचार सारी सीमाएं लांघ रहा था।

पता नहीं हममें से कितने लोगों ने जुलाई 2021 में सुल्ली डील्स की शिकार बनी व्यावसायिक पायलट हाना मोहसिन खान का वह मार्मिक आलेख पढ़ा है जिसमें उन्होंने उस घनघोर मानसिक यंत्रणा का चित्रण किया है जो उन्हें झेलनी पड़ी थी। हाना बताती हैं कि सुल्ली डील्स की शिकार 83 महिलाओं में से बहुत ने स्वयं सोशल मीडिया छोड़ दिया। कई महिलाओं को परिजनों ने सोशल मीडिया छोड़ने को बाध्य कर दिया। बहुत सी पीड़ित महिलाएं इस अमानवीय घटनाक्रम का विरोध तो कर रही हैं लेकिन उनमें कानूनी कार्रवाई करने का साहस नहीं है, उनके मित्र और परिजन भी उन्हें परामर्श दे रहे हैं कि वे कानूनी कार्रवाई करने का %खतरा' मोल न लें। हाना जैसी चंद पीड़ित महिलाओं ने कानून की शरण ली है और अब उन्हें पता है कि उनके हितैषी क्यों उन्हें शांत रहने को कह रहे थे। बहुत सारी जिंदादिल औरतों की जिंदा आवाज़ें खामोश कर दी गई हैं। सब मौन हैं। केंद्र सरकार की सभी कद्दावर महिला मंत्री चुप हैं। अभी कुछ ही महीने पहले तीन तलाक प्रकरण में स्वयं को मुस्लिम महिलाओं के परम हितैषी के रूप में प्रस्तुत करने वाले बुद्धिजीवी मूकदर्शक बने हुए हैं। बार-बार भावोद्रेक में अपने नेत्र सजल कर लेने वाले आदरणीय प्रधानमंत्री जी की सर्द खामोशी इन महिलाओं को चिंता में डाल रही है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का जवाब यह बताता है कि यह मामला उन्हें दूसरे साइबर अपराधों से ज्यादा गंभीर नहीं लगता। अनेक मामलों में स्वतः संज्ञान लेने वाला न्यायालय भी इस बार शांत है। मुस्लिम महिलाओं की ऑन लाइन नीलामी के अपराध से ज्यादा डराने वाली सरकार और सभ्य समाज की यह चुप्पी है। हाना ने सुल्ली डील्स के डरावने अनुभव को शब्दों में उतारने की जो कठिन कोशिश जुलाई 2021 में शुरू की थी, उसके पूरा होते होते बुल्ली बाई प्रकरण सामने आ गया। ऐसा लगता है कि लंबे संघर्ष के बाद अर्जित स्वतंत्रता, सशक्त लोकतांत्रिक व्यवस्था और गौरवशाली नागरिक जीवन का हासिल हम चंद महीनों में ही खो देंगे, मध्ययुगीन सामंती व्यवस्था की वापसी हो रही है जहां हिंसा है, प्रतिशोध है, जहां औरतों की आज़ादी के लिए कोई जगह नहीं है। अंतर केवल एक है- अब हमारे पास औरतों को अपमानित और प्रताड़ित करने के लिए उन्नत तकनीक है।

दुर्भाग्य है कि तकनीक तो विकसित हो रही है किंतु वैज्ञानिक दृष्टि तथा मानवीय मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। सुल्ली डील्स के अपराधी जुलाई 2021 से अब तक आजाद घूम रहे हैं यदि उन्हें गिरफ्तार कर उन पर कार्रवाई की गई होती तो शायद इसका दूसरा संस्करण बुल्ली बाई गढ़ने की हिम्मत पकड़े गए आरोपी न कर पाते। किंतु जैसा आजकल का चलन है अल्पसंख्यक समुदाय को प्रताड़ित करना कोई गंभीर अपराध नहीं माना जाता, फिर यह तो मुस्लिम महिलाएं हैं। हो सकता है इन एप निर्माताओं को राष्ट्र भक्तों के रूप में सोशल मीडिया पर चित्रित किया जाए। मुस्लिम समुदाय से आने वाली जागरूक, सक्रिय, मुखर एवं अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने को तत्पर महिला पत्रकार तथा सामाजिक कार्यकर्ता इस एप के निशाने पर थीं।

खिसियाई भाजपा खंभा नोचे

पंजाब चुनाव में भाजपा के लिए आसार पहले ही ठीक नहीं थे। कांग्रेस की अंदरूनी उठापटक के बावजूद भाजपा को ऐसा कोई मौका नहीं मिल रहा था, जिससे वह सुर्खियों में आ सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां अपने नाम के साथ चलाए जाने वाले जुमले, मोदी है तो मुमकिन है, को सच साबित कर दिया। यानी जिस भाजपा को अब तक पंजाब में खास तवज्जो नहीं मिल रही थी, उसे मोदीजी की सुरक्षा व्यवस्था के बहाने चर्चा में आने का मौका मिल गया। बुधवार 5 जनवरी को जिस तरह फिरोजपुर में उनकी रैली रद्द हुई, उसका ठीकरा अब कांग्रेस के सिर मढ़ते हुए भाजपा इसे चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश में लग गई है। इसका प्रमाण है केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की टिप्पणी, जिसमें वे कांग्रेस के खूनी इरादे नाकाम रहे, जैसी बात कह रही हैं। पंजाब एक अरसे से संवेदनशील राज्य रहा है और बड़ी मुश्किल से यहां अमन बहाली हुई है। लेकिन मात्र चुनावों में जीत के लिए जिस तरह की सनसनी कायम करने की कोशिश भाजपा कर रही है, वह निंदनीय है। फ्लाईओवर पर प्रधानमंत्री के काफिले के 15 मिनट तक रुकने का मामला सुप्रीम कोर्ट तो पहुंच ही चुका है, इस पर राष्ट्रपति से भी प्रधानमंत्री ने मिलकर चर्चा कर ली है।

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से ट्वीट कर बताया गया है कि पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर राष्ट्रपति ने चिंता व्यक्त की है। पंजाब सरकार ने भी इस मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इसके बाद कम से कम भाजपा को शांत रहकर रिपोर्ट आने का इंतजार करना चाहिए। लेकिन भाजपा के लिए यह छींका फूटने के समान है, इसलिए वो इस मौके को पूरी तरह भुना रही है।

प्रधानमंत्री अगर किसी राज्य में जाते हैं तो उनका मिनट दर मिनट का कार्यक्रम और आने-जाने की व्यवस्था, सब तय होते हैं। इस बारे में राज्य पुलिस सुरक्षा के लिए अकेले जिम्मेदार नहीं होती, उसके साथ विशेष सुरक्षा दल यानी एसपीजी तालमेल बना कर चलती है। बुधवार को मौसम खराब होने के कारण प्रधानमंत्री का हेलीकाप्टर से दौरा रद्द हुआ और सड़क मार्ग से जाना तय हुआ। यह फैसला उच्च स्तर से हुआ होगा, इसलिए केवल कांग्रेस को इस तरह दोषी ठहरा कर संदेह का माहौल बनाना, एक निर्वाचित सरकार के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी करना कतई सही नहीं है। वैसे भी प्रधानमंत्री का सुरक्षा चक्र काफी मजबूत होता है। प्रधानमंत्री के काफिले में सबसे पहले पुलिस की गाड़ी सायरन बजाती हुई चलती है।

इसके बाद एसपीजी की गाड़ी और फिर दो गाड़ियां चलती हैं। इसके बाद दाईं और बाईं तरफ से दो गाड़ियां रहती हैं जो बीच में चलने वाली प्रधानमंत्री की गाड़ी को सुरक्षा प्रदान करती है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में विशेष सुरक्षा दल (एसपीजी) के जवान तैनात रहते हैं। सार्वजनिक कार्यक्रम में एसपीजी कमांडो प्रधानमंत्री के चारों तरफ रहते हैं और उनके साथ-साथ चलते हैं। निजी सुरक्षा गार्ड सुरक्षा घेरे की दूसरी पंक्ति में तैनात रहते हैं। तीसरे सुरक्षा चक्र में नेशनल सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) होते हैं।

चौथे चक्र में अर्द्धसुरक्षा बल के जवान और विभिन्न राज्यों के पुलिस अधिकारी होते हैं। और सुरक्षा के पांचवे चक्र में कमांडो और पुलिस कवर के साथ कुछ अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस वाहन और एयरक्राफ्ट रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी अति सुरक्षा वाली बुलेटप्रूफ बीएमडब्ल्यू 7 कार से सफर करते हैं। उनके काफिले में दो डमी कार के अलावा एक जैमर से लैस गाड़ी भी तैनात रहती है।

सुरक्षा की इतनी कड़ी व्यवस्था इसलिए है, क्योंकि देश ने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या के दुखदायी प्रकरण देखे हैं। चाहे किसान हों या कांग्रेस, भाजपा से उनके राजनैतिक, वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर इसके लिए हत्या की साजिश जैसे आरोप काफी गंभीर हैं। भाजपा को इस किस्म की राजनीति से बचना चाहिए। वैसे भी पंजाब में हाशिए पर जा चुकी भाजपा के लिए भविष्य में कोई बेहतर उम्मीद नहीं दिख रही। कल प्रधानमंत्री की जो रैली रद्द हुई, वो एक तरह से भाजपा के फायदे में ही रही। क्योंकि भाजपा का दावा था कि कम से कम 5 लाख लोग इस रैली में पहुंचेंगे, मगर सभास्थल पर खाली पड़ी कुर्सियां गवाह थीं कि लोगों ने पहले ही मोदीजी को न सुनने का मन बना लिया था। भाजपा ने शुरुआती तैयारियों में 32 सौ बसों की व्यवस्था की थी, ताकि लोगों को रैली में पहुंचाया जा सके। लेकिन किसानों के विरोध को देखते हुए जब यह अहसास भाजपा की राज्य इकाई को हुआ कि यह रैली फ्लॉप शो साबित हो सकती है, तो बाद में बसों की संख्या घटाकर 5 सौ कर दी गई थी। इसलिए कांग्रेस का यह तंज माकूल लग रहा है कि रैली में लोगों के न पहुंचने के कारण ही भाजपा ने यह कार्यक्रम रद्द कर दिया। फिलहाल भाजपा खिसियाई हालत में खंभा नोचने में लगी है। हालांकि इससे तकलीफ भाजपा को ही हो सकती है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में विशेष सुरक्षा दल (एसपीजी) के जवान तैनात रहते हैं। सार्वजनिक कार्यक्रम में एसपीजी कमांडो प्रधानमंत्री के चारों तरफ रहते हैं और उनके साथ-साथ चलते हैं। निजी सुरक्षा गार्ड सुरक्षा घेरे की दूसरी पंक्ति में तैनात रहते हैं। तीसरे सुरक्षा चक्र में नेशनल सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) होते हैं।

तेजी से बढ़ रही यूरोपीय गैस, बिजली की कीमतें भारत के लिए सबक

हम जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने में शायद सबसे बड़े संक्रमण से गुजर रहे हैं जिसे हमारी सभ्यता ने जाना है। इसे एक ऐसे ऊर्जा परिवर्तन की आवश्यकता है जो उन बाजारों के माध्यम से प्राप्त नहीं किया जा सकता है जो दीर्घकालिक सामाजिक लाभ पर तत्काल लाभ का विशेषाधिकार देते हैं। यदि गैस वास्तव में संक्रमणकालीन ईंधन है, तो कम से कम यूरोप के लिए, इसे पर्याप्त भंडारण के साथ गैस क्षेत्रों के साथ अपने गैस ग्रिड को एकीकृत करने की दीर्घकालिक नीतियों की आवश्यकता है। यूरोप में गैस की बढ़ती कीमतों के मौजूदा संकट के साथ-साथ ठंड का असर यह बताता है कि दुनिया के किसी भी हिस्से का हरित ऊर्जा में संक्रमण आसान नहीं होने वाला है। यूरोपीय संघ ने गैस मूल्य निर्धारण के लिए पूरी तरह से बाजार-आधारित दृष्टिकोण चुनकर हरित संक्रमण की समस्या को और भी बदतर बना दिया है। जैसा कि हमने पहले टेक्सास में देखा था, ऐसी नीतियां मौसम की अनिश्चितता के दौरान विफल हो जाती हैं, जिससे गैस की कीमतें उस स्तर तक पहुंच जाती हैं जहां गरीबों को बस अपना हीटिंग बंद करना पड़ सकता है। भारत और उसके बिजली ग्रिड के लिए एक सबक स्पष्ट है। बाजार ऊर्जा मूल्य निर्धारण की समस्या का समाधान नहीं करते हैं, क्योंकि उन्हें योजना, दीर्घकालिक निवेश और मूल्य निर्धारण में स्थिरता की आवश्यकता होती है। बिजली क्षेत्र को आपदा का सामना करना पड़ेगा यदि इसे बिजली व्यापारियों को सौंप दिया जाए जैसा कि प्रस्तावित किया जा रहा है।

आइए हम यूरोप में विशेष रूप से यूरोपीय संघ (ईयू) में गैस की मौजूदा समस्या को देखें। यूरोपीय संघ ने बिजली उत्पादन के लिए ईंधन की अपनी पसंद के रूप में गैस को चुना है, क्योंकि यह कोयले और परमाणु को बंद कर देता है जबकि पवन और सौर में भी भारी निवेश करता है। उन्नत तर्क यह है कि गैस यूरोपीय संघ को अपने कम कार्बन उत्सर्जन पथ के लिए एक संक्रमणकालीन ईंधन प्रदान करेगी क्योंकि यह कोयले की तुलना में कम उत्सर्जन पैदा करती है। हरित ऊर्जा के साथ समस्या यह है कि इसके लिए बहुत अधिक क्षमता वृद्धि की आवश्यकता होती है जिसे योजनाकार ध्यान में नहीं रख रहे हैं। उच्च अक्षांशों में, सर्दियों के दौरान, दिन छोटे होते हैं, और इसलिए, हमें कम घंटे सूरज की रोशनी मिलती है। सौर के साथ यह मौसमी समस्या इस साल यूरोप में कम हवाओं के साथ बढ़ गई है, जिससे पवन चक्कियों का बिजली उत्पादन कम हो गया है। यूरोपीय संघ ने ग्रीनहाउस उत्सर्जन में कटौती के अपने लघु और मध्यम अवधि के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए गैस पर बहुत अधिक निर्भर है। यह दूसरी बात है कि गैस सबसे अच्छा अल्पकालिक समाधान है क्योंकि यह अभी भी कोयले की तुलना में आधी ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन करती है। गैस को अल्पकालिक और मौसमी जरूरतों को पूरा करने के लिए संग्रहीत किया जा सकता है, और यहां तक कि आवश्यक पंपिंग क्षमता वाले गैस क्षेत्रों से उत्पादन भी आसानी से बढ़ जाता है। इन सभी के लिए दैनिक या मौसमी उतार-चढ़ाव की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त क्षमता में उन्नत योजना और निवेश की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से, यूरोपीय संघ का दृढ़ विश्वास है कि बाजार जादुई रूप से सभी समस्याओं का समाधान करता है। यह गैस के लिए दीर्घकालिक मूल्य अनुबंधों से हटकर हाजिर और अल्पकालिक कीमतों में चला गया है। चीन, भारत और जापान के विपरीत, जिनके पास तेल की कीमत पर अनुक्रमित दीर्घकालिक अनुबंध हैं। यूरोपीय संघ के बिजली उत्पादन में प्राकृतिक गैस का योगदान केवल 25 प्रतिशत है। यूरोपीय संघ में बाजार सुधारों के तहत न केवल गैस बल्कि बिजली बाजारों को भी उदारीकृत किया गया है। ग्रिड में ऊर्जा मिश्रण ऊर्जा बाजार की नीलामी द्वारा निर्धारित किया जाता है, जिसमें बिजली उत्पादक अपनी कीमतों और बिजली ग्रिड को आपूर्ति की जाने वाली मात्रा की बोली लगाते हैं। ये बोलियां निम्नतम से उच्चतम तक, अगले दिन की अनुमानित मांग पूरी तरह से पूरी होने तक स्वीकार की जाती हैं। अंतिम बोली लगाने वाले की कीमत तब सभी उत्पादकों के लिए कीमत बन जाती है। अर्थशास्त्रियों की भाषा में, यह बाजार की नीलामी के माध्यम से खोजी गई इसकी सीमांत कीमत है और इसलिए, बिजली की प्राकृतिक कीमत है। वर्तमान में, सीमांत उत्पादक प्राकृतिक गैस है, और इसीलिए गैस की कीमत यूरोप में बिजली की कीमत भी निर्धारित करती है। यह पिछले साल यूरोप में बिजली की कीमतों में लगभग 200 प्रतिशत की वृद्धि की व्याख्या करता है। इस वर्ष, यूरोपीय संघ के अनुसार, चौस की कीमतें विश्व स्तर पर बढ़ रही हैं, लेकिन एशिया और यूरोपीय संघ जैसे शुद्ध आयातक क्षेत्रीय बाजारों में अधिक महत्वपूर्ण हैं। अब तक 2021 में, यूरोपीय संघ में कीमतें तीन गुना और एशिया में दोगुनी से अधिक हो गई हैं, जबकि केवल दोगुनी हो रही हैं। रूस के यूरोपीय संघ के देशों के साथ दीर्घकालिक अनुबंध के साथ-साथ अल्पकालिक अनुबंध भी हैं। पुतिन ने हाजिर कीमतों और गैस की कीमतों के साथ यूरोपीय संघ के आकर्षण का मजाक उड़ाया और कहा कि वह लंबी अवधि के अनुबंधों के माध्यम से अधिक गैस की आपूर्ति करने को तैयार है। हालांकि यूरोपीय आयोग के अधिकारी इससे सहमत हैं रूस ने अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया है, यह दावा करता है कि रूस यूरोपीय संघ की अल्पकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए और अधिक कर सकता है, जिससे गैस की कीमतों में भारी वृद्धि हो रही है।

हजारों बेसहारों की माई का जाना

प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता सिंधुताई सपकाल का मंगलवार को 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्हें महाराष्ट्र की %मदर टेरेसा% कहा जाता है। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी अनाथ बच्चों की सेवा में गुजारी। ताई का जन्म उस दौर में हुआ, जब लड़की का पैदा होना, वह भी एक गरीब के घर, किसी अभिशाप से कम नहीं माना जाता था। उन्हें भी एक अनचाहा अभिशाप माना गया, इसीलिए उनका नाम रखा गया, 'चिंदी' (मतलब एक फटे हुए कपड़े का टुकड़ा)। घर के हालात कुछ ऐसे थे कि चिंदी को भैंस चराने जाना पड़ता। इसी काम से कुछ वक्त निकालकर वह स्कूल जाने लगीं। पढ़ने में उनका बड़ा मन लगता था। किसी तरह उन्होंने चौथी पास की। पारिवारिक रूढ़िवादी विचारों के कारण आगे की पढ़ाई बंद हो गई। जब वह 10 साल की हुईं, तब उनकी शादी 30 वर्षीय 'श्रीहरी सपकाल' से हुई। 20 साल की उम्र में वह एक बच्ची की मां बन गईं। लेकिन एक घटना ने उनके जीवन को बदल दिया। एक दिन सिंधुताई ने गांववालों को उनकी मजदूरी के पैसे न देनेवाले गांव के मुखिया की शिकायत जिलाधिकारी से कर दी। अपने इस अपमान का बदला लेने के लिए मुखिया ने सिंधुताई के पति श्रीहरी को उन्हें घर से बाहर निकालने के लिए दबाव डाला और बाध्य किया। उस समय वह नौ महीने से गर्भवती थीं। उसी रात उन्होंने तबेले में (गाय-भैंसों के रहने की जगह) एक बेटी को जन्म दिया। फिर पिता के देहांत के कारण मां ने भी उन्हें अस्वीकार कर दिया। भटकती हुई मजबूरी में अपनी बेटी के साथ वह रेलवे स्टेशन पर रहने लगीं। वह पेट भरने के लिए भीख मांगतीं और रात को खुद को और बेटी को सुरक्षित रखने के लिए श्मशान में रहतीं। इस संघर्षमयी काल में सिंधुताई अपने और अपनी बच्ची की भूख मिटाने के लिए ट्रेन में गा-गाकर भीख मांगने लगीं। जल्द ही उन्होंने देखा कि स्टेशन पर और भी कई बेसहारा बच्चे हैं, जिनका कोई नहीं है। सिंधुताई अब उनकी भी माई बन गईं।

धरती का थर्मामीटर
येलोस्टोन नेशनल पार्क

ये लोस्टोन क्षेत्र समुद्रतल से औसतन 8000 फिट ऊंचा है, यहाँ की कई चोटियां तो 13,000 फीट ऊंची हैं, 8983 वर्ग किमी के इलाके में बर्फ से ढकी पहाड़ी चोटियां , शुद्धतम जल से लबालब झीलें और नदियां , भरपूर वन्य जीवन, वनस्पतियाँ तो हैं ही साथ ही यह धरती मां की जीवंत प्रयोगशाला भी है, जिस में विकास और विनाश के रहस्य अध्ययन करने का पूरा पूरा अवसर है. सिएटल से येलोस्टोन जाने के लिए सड़क मार्ग से स्पोकेन होकर 14 घंटे लगते हैं, फ्लाइट से जाना आसान है, इसलिए करीबी एयरपोर्ट अलास्का से यह दूरी कोई 1000 मील है.पूरा रास्ता वाशिंगटन राज्य के बर्फीले पहाड़ों, हरे भरे मैदानों से हो कर गुजरता है, मीलों मीलों में फैले खेत आबादी का पता नहीं, पूरी खेती बड़ी यंत्रीकृत है। यह राज्य साल में इतना गेंहू पैदा कर लेता है जो पूरे अमरीका के लिए काफी होता है.दरअसल बोजमैन येलोस्टोन जाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, यहाँ से पार्क का प्रवेश द्वार केवल 90 मील रह जाता है.

ऐतिहासिक कालखंड

पार्क का क्षेत्र तीन अमरीकी राज्यों मोंटाना, व्योमिंग और आइडाहो में फैला हुआ है.इस इलाके को विभिन्न कबीलों और जनजातियों ने 11,000 वर्षों से अपना आवास बनाया थाये लोग आखेट करते थे, झरनों, नदियों से मछलियां पकड़ते थे , विभिन्न जड़ी बूटियों को खाने और उपचार के काम में लेते थे , ये लोग तापीय झरनों का पानी उपचार और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल करते थे.अमरीका में आये यूरोपीय लोगों को अठाहरवीं शताब्दी की प्रारम्भ में इस विलक्षण इलाके का पता लगा.1830 के आस पास ओस्बोर्न रसेल ने इस इलाके के बारे में काफी विस्तार से लिखा, उसके आलेख से प्रभावित होकर 1869 में एक अध्ययन टीम डेविड ई कोलमेन के नेतृत्व में यहाँ आयी , टीम ने येलोस्टोन झील के अप्रतिम सौंदर्य, कैन्यन विस्तार, तापीय बेसीन और रॉक बनावट के बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। इसके अगले वर्ष चार्ल्स कुक और फॉल्सम की खोजी टीम ने भी ऐसी ही रिपोर्ट प्रस्तुत की , इसके आधार पर 1872 में राष्ट्रपति ग्रांट और अमरीकी सीनेट ने इस इलाके को संरक्षित क्षेत्र अर्थात नेशनल पार्क घोषित कर दिया। इस पार्क को दुनिया का पहला संरक्षित क्षेत्र होने का भी गौरव हासिल है। उस समय एक सीनेटर ने कहा था कि यह क्षेत्र अमरीका के फेफड़ों के लिए ताजा हवा का काम करेगा। प्रारम्भ में इसकी देखभाल अमरीकी सेना के पास रही बाद में १९१६ में नेशनल पार्क सर्विस की स्थापना के बाद से पार्क उसके अधीन कर दिया गया.

कहानी की शुरुआत

एक अनुमान के हिसाब से पृथ्वी अब से कोई 4600 करोड़ वर्ष पहले बनी तब से लेकर 5400 लाख वर्ष पूर्व तक के काल की चट्टानों से येलोस्टोन का इलाका बना है.ये सारी चट्टानें टीटान,बेरटूथ, विंड रिवर और ग्रॉस वेंट्रे इलाकों में हैं.5400 लाख से लेकर 660 लाख वर्ष के काल में अमरीका का पश्चिमी इलाका समुद्र, रेतीले पहाड़ों , विस्तृत मैदानों से आछादित था, इसके बाद पहाड़ बनने की प्रक्रिया से रॉकी माउंटेन क्षेत्र विकसित हुआ.यहाँ पर्वत बनने और पृथ्वी की सतह ऊँची नीची होने के कारण हिलने डुलने और बर्फ जमने से येलोस्टोन इलाका अस्तित्व में आया.500 लाख वर्ष पहले पार्क के उत्तरी और पूर्वी इलाके में अब्सरोका श्रंखला कई ज्वालामुखी फटने से अस्तित्व में आयी.लेकिन उस ज्वालामुखी प्रक्रिया का सम्बन्ध आज की येलोस्टोन ज्वालामुखी गतिविधियों से नहीं है। एक अनुमान के अनुसार 300 लाख वर्ष पूर्व आज का पश्चिम पूर्व पश्चिम धुरी के साथ खिंचता गया। खिंचने की यह प्रक्रिया 170 लाख वर्ष पहले कुछ और बढ़ गयी और अभी तक जारी है जिसके कारण नए ,बेसिन बने है , उत्तर-दक्षिण पर्वत श्रंखला और उसकी लम्बी घाटी भी इसी प्रक्रिया से बनी है.इस तरह से पूरा दक्षिण का क्षेत्र जिसमें येलोस्टोन भी शामिल है निर्मित हुआ है.165 लाख वर्ष पहले आज के समूचे आइडहो, ओरेगॉन और नेवाडा इलाके में ज्वालामुखी विस्फोटों का सिलसिला निरंतर चलता रहा.वहां से पिघला हुआ लावा प्रवाहित हो कर दक्षिण आइडहो से येलोस्टोन की ओर आ गया। उत्तरी अमरीका की प्लेट इस पिघलते हुए लावा पर खिसक कर दक्षिण पश्चिम दिशा में आ गयी जिससे येलोस्टोन क्षेत्र भी पिघले लावा के समीप आ गयी , तबसे ज्वालामुखी इस क्षेत्र के अंदर लगातार सक्रिय है.

येलोस्टोन लेक

यह लेक 136 वर्ग मील के क्षेत्र में फैली है और इसका घेरा 110 मील का है , समुद्र तल से 7,732 फीट की ऊंचाई पर अवस्थित यह लेक इलाके का सबसे बड़ा जलभंडार है, लेक की गहराई कहीं कहीं 392 फीट तक चली गयी है , जाड़ों में लेक पर 3 फीट बर्फ की चादर जम जाती है. हाँ,जहाँ जहाँ लेक में गर्म सोते हैं वहां बर्फ नहीं जमती है। लेक दिसंबर में जमती है और मई या फिर जून के प्रारम्भ में पिघल जाती है। लेक में कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस , रेडसीडे शाइनर, लांगनोज सकर्स मछलियां पाई जाती है.लेक का पानी इतना साफ है कि फिशिंग ब्रिज से कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस मछली आसानी से देखी जा सकती हैं.अन्य किस्म बहुत छोटे आकार की होती हैं अत: उन्हें स्पॉट करना ब्रिज से संभव नहीं है. येलोस्टोन नदी पार्क की दक्षिण पूर्वी अब्सरोका पर्वत श्रंखला यौंत शिखर के ढलान से अपना सफर शुरू करके **671** मील चल कर मोंटाना और नार्थ डकोटा सीमा पर मिसौरी नदी में मिल जाती है, अंतत मिसोरी गल्फ आफ मेक्सिको में अटलांटिक सागर से विलीन हो जाती है.लेक के किनारे विशेषकर फिशिंग ब्रिज के आस पास के कीचड वाले इलाके में सुबह शाम मूज देखने को मिल जाते हैं।

येलोस्टोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है

येलोस्टोन की प्राकृतिक प्रक्रिया पूरी तरह से संरक्षित तापीय इको प्रणाली में कार्यरत है और अभी तक इसमें मानवीय दखलंदाजी बहुत कम हुई है. इस लिए पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए यह क्षेत्र आदर्श है, यही नहीं यहाँ 11,000 वर्षों से मानवीय गतिविधियां निर्बाध रूप से चल रही हैं इस लिए मानव जाती के इतिहास और वास्तुशिल्प का सिलसिलेवार लेखा जोखा मौजूद है. यहाँ भूगोलविद और अन्य वैज्ञानिक लैंडस्केप स्तर पर बदलाव से इको - प्रणाली पर प्रभाव से लेकर सूक्ष्म जीव संरचनाओं के अध्ययन में जुटे हुए हैं जिनका प्रभाव केवल पार्क ही नहीं पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है.

प्रकृति की अपनी प्रयोगशाला

पृथ्वी की निचली सतह से पिघली हुई चट्टानें पिछले 20 लाख वर्षों से येलोस्टोन में ऊपरी सतह के बेहद करीब हैं जिसके कारण ऊपरी सतह के बहुत करीब कहीं पिघली तो कहीं ठोस चट्टानों के कक्ष बन गए हैं, पिघली चट्टानों की गर्मी से धरती की ऊपरी सतह लगातार फैलती और ऊंची उठती रहती है, इसी कारण इस क्षेत्र में भूकंप भी निरंतर आते रहते हैं.जगह जगह आये क्रैक्स में से पिघली चट्टानों की गर्मी, राख और गैस वायुमंडल तक फव्वारे जहाँ तहँ से निकलती रहती है.जहाँ जहाँ पिघले हुए लावा के भूमिगत चैम्बर खाली हो गए हैं वहां जमीन धंस गयी है और काल्डेरा यानी ज्वालामुख-कुंड बन गए हैं. कुल मिला कर येलोस्टोन में तीन विशाल काल्डेरा हैं जो भूगर्भ शास्त्रियों को इतने समीप से प्रकृति के रहस्यों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं.

प्रकृति का थर्मामीटर

येलोस्टोन में किये जा रहे अध्ययन से पता चला है कि प्रकृति में प्रतिकूल ताप पर भी जीवन संभव है, इससे लगता है कि अन्य ग्रहों पर भी किसी न किसी रूप में जीवन होने की संभावनाएं हैं. 1968 में शोधकर्ता थामस ब्रॉक ने पहली बार येलोस्टोन के उच्च तापीय स्प्रिंग में माइक्रोब खोज कर चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में धमाका किया था, इस शोध से जीवन सम्बन्धी अन्य रहस्यों को भी धीरे धीरे अनावृत करने का काम काफी आगे बढ़ा है.

मिडवे गाइजर बेसिन के अन्य गाइजर और पूल

येलोस्टोन के मध्य गाइजर बेसिन भले ही आकार में छोटे हैं लेकिंग उनमें काफी विविधता है , इनमें से हम एक्सेलसियर गाइजर, विशाल गाइजर क्रेटर, फिरोजी पूल और ओपल पूल देख पाए। फायर होल नदी के पास में घूमते हुए विविध किस्म के गैसीय पार्टिकल की गंध का अनुभव भी हुआ बताते हैं कि सन 1800 के आस पास एक्सेलसियर गाइजर से 300 फिट की ऊंचाई तक गैसीय पदार्थ निकला करते थे , इस पूरे क्षेत्र में इसी लिए घूमते समय पूरी सावधानी की सलाह दी जाती है क्या पता कब गैसीय पदार्थ फव्वारे की तरह निकल पड़ें ऐसा इसलिए भी कि 1985 में यहीं पर अचानक दो दिन तक लगातार इरप्शन हुआ जिसकी ऊंचाई 80 फिट तक नापी गयी।

मिडवे गाइजर बेसिन कहाँ हैं?

ये गाइजर ओल्ड फेथफूल से करीब ही उत्तर में हैं, यहाँ जाने के लिए हमने तो पश्चिम प्रवेश द्वार से ग्रैंड लुप रोड पर 25 मील ड्राइव किया, यहाँ दोपहर में जबरदस्त भीड़ रहती है , हमारे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि सुबह सवेरे पहुंचना आसान है, उनकी सलाह मान कर हम इन्हे आराम से देख पाए.

येलोस्टोन का ग्रैंड कैनियन यहाँ का ग्रैंड कैनियन सच में देखने वाली जगह है , यह पार्क के उत्तरी पूर्वी किनारे पर है, समीप में छोटा सी आबादी कैनियन विलेज है.लगातार जंगल, पहाड़ देखते देखते यहाँ कुछ दुकानें, रेस्टॉरेंट , ठहरने के लिए कई लाज और पर्यटक केंद्र होने के कारण लगता है जैसे शहरी आबादी में पहुँच गए हों। ग्रैंड कैनियन हजारों वर्ष तक हवा, पानी और अन्य प्रकृतिक हलचलों का नतीजा है कैनियन २० मील से भी अधिक लम्बा है और चौड़ाई कोई डेढ़ मील है, कैनियन की दीवारें 9000 फिट ऊंची हैं जिन्हे देख कर लगता है कि जैसे लाखों संगतराशों ने मिल कर इस अगढ़ रचना को मिल कर सैकड़ों हजारों साल में तराशा हो.इस कैनियन मार्ग से येलोस्टोन रिवर बहती है, यह व्योमिंग, मोनटाना, नार्थ डकोटा राज्यों से गुजर कर 600 मील का सफर तय करती है , यह पूरी तरह से स्वछंद है कहीं भी इस पर कोई डैम नहीं बनाया गया है। कैनियन विलेज के पास दो आब्सर्वेषां पाइंट हैं जहाँ से येलोस्टोन फॉल की विशालता और भव्यता को महसूस किया जा सकता है, फाल तक पहुँचने के लिए ट्रेल भी हैं, रास्ता जरा संकरा है, बहुत से सैलानी वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

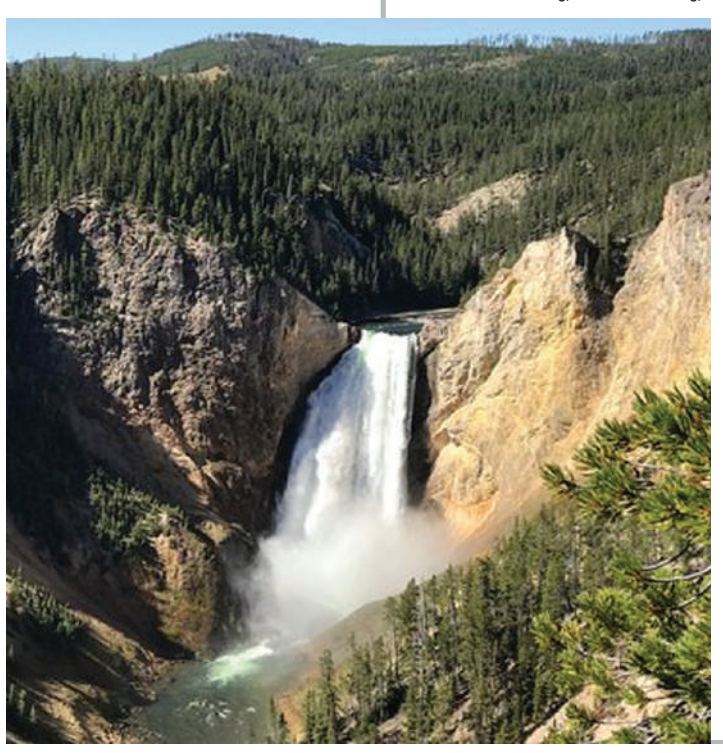

नारिस थर्मल गाइजर

नारिस गाइजर बेसिन येलोस्टोन पार्क के व्योमिंग क्षेत्र में हैं, ये पार्क का सबसे गर्म तापीय भाग है, इसमें तीन मुख्य बेसिन हैं : **पोर्सलीन** - इसमें दूधिया रंग के भाप भरे परिदृश्य हैं जो 075 मील की धूल भरी ट्रेल और बोर्डवॉक कैस्केड के जरिये देखे जा सकते हैं, यहाँ तापीय गतिविधियों के कारण पेड़ एक दम सूख गए हैं।

बैक बेसिन - यह घने पेड़ों वाला क्षेत्र है जिसमें कई गाइजर और तापीय स्प्रिंग हैं , इसके चारों ओर 15 मील का धूल भरा ट्रेल और बोर्ड वाक है.

सौ स्प्रिंग वाला मैदान - यह नारिस गाइजर बेसिन का ट्रेल के बाहर का इलाका है, यहाँ की हवा में जबरदस्त अम्लीय उपस्थिति है, जमीन पोली और खतरनाक है इस लिए पार्क अधिकारी सैलानियों को यहाँ आने के लिए हतोत्साहित करते हैं.

नारिस बेसिन में सतह से 1000 फीट जबरदस्त भूगर्भीय तापीय गतिविधि चल रही है, नारिस तापीय प्रणाली में पार्क का सबसे अधिक तापक्रम 459 डिग्री फारेनहाइट रेकॉर्ड किया गया हैआश्चर्य की बात यह है कि इतने अधिक तापक्रम के वावजूद यहाँ सेजब्रश छिपकली आराम से रह लेती है.यहाँ अम्लीय ताल और उच्च तापक्रम वाले पानी के सतही किनारों पर हरे, गुलाबी और नारंगी रंग के अति सूक्ष्म जीव मजे से पनपते हैं, इन तालों से वहने वाले आयरन डाई आक्साइड, आर्सेनिक कम्पाउंड , सल्फर के कारन रंगों की छठा कुछ और निखार आती है, इन्ही के कारण पूरा क्षेत्र रंग बिरंगा नजर आता है.

ओल्ड फेथफुल इन

पार्क और उसके बाहर ठहरने के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। हम पार्क के गेट से कोई 10 मील पहले रेनबो कैम्पिंग साइट पर एक आठ कमरे वाले बड़े घर में रुके थे जो काफी आरामदेह और किफायती रहा.लेकिन येलोस्टोन में ठहरने के लिए सबसे बेहतरीन जगह ओल्ड फेथफुल इन है जो ओल्ड फेथफुल गाइजर के ठीक सामने है। इसे राबर्ट सी रीमार ने 1904 में डिजाइन किया था , उस जमाने में यह 1,40,000 डालर की लागत में तैयार हुआ था.यह दुनिया भर में विशालतम लॉग स्टाइल संरचना है, इसकी लॉबी 74 फीट ऊंची है.इसमें लकड़ी के अलावा ज्वालामुखी से निकले हुए पदार्थों का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ आने वाले सैलानियों में होटल में ठहरने से लेकर भोजन करने के लिए जबरदस्त क्रेज है. होटल पिछले सौ वर्षों से अतिथि सेवा और अच्छे भोजन के लिए सैलानियों में क्रेज से कम नहीं है.पूरी लकड़ी की संरचना होने के वावजूद इस होटल में ठहरने के लिए 140 कमरे मुख्य संरचना में हैं.1914 और 1927 में भवन विस्तार किये जाने परयहाँ कुल मिला कर 300 कमरे हो चुके हैं.होटल मई में खुलता है और अक्टूबर के प्रारम्भ तक खुला रहता है.

पार्क का वन्य जीवन

पार्क में वन्य जीवन भी काफी विविधता से भरा है काले और ग्रिजली भालू, यल्क, बायसन तो हैं ही साथ ही स्तनपायी जीवों की 60 से भी अधिक किस्में मौजूद हैं। पार्क में पक्षी जीवन भी काफी विविधता भरा है , यहाँ बाल्ड ईगल,ब्लैक बिलड मैगपाई, ग्रे जे, कव्वे का बड़ा भाई रैवेन, ऑस्प्रे, कनाडियन गीस, मैलर्ड डक, ट्रम्पेटेर हंस, सफेद पेलिकन, पहाड़ी ब्लू बर्ड बहुतायत से पाए जाते हैं.

पार्क के अन्य आकर्षक स्थल

ओल्ड फैथफुल गाइजर

इस गाइजर को 1870 में वशबर्न और उनकी खोजी टीम ने ढूंढा था, इसका नामकरण इरप्शन की नियमितता को देखकर किया गया था. जब से यह खोजा गया है इसके 10 लाख से भी अधिक इरप्शन हो चुके हैं ! इरप्शन का अनुमान इतना सटीक होता है कि इसमें 10 से 20 मिनट का अंतर रहता है. विशेषज्ञों की माने तो एक बार के इरप्शन से 8,400 गैलन तक प्रवाहन होता है और स्रोत से निकलने वाले पानी का तापक्रम 204 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है। गैस का तापमान 350 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच जाता है.

मैमथ हाट स्प्रिंग्स टेरेस

ये स्प्रिंग्स पश्चिमी प्रवेश द्वार के बिलकुल समीप ही हैं.दुनिया में कहीं भी मैमथ हाट स्प्रिंग्स जैसे फाउंटेन न तो प्रकृतिक रूप में देखने को मिलते हैं न ही कहीं मनुष्य द्वारा बनाये जा सके हैं। टेरेस की धवल और कहीं कहीं रंगीन चट्टानों से धीरे धीरे पानी बहता रहता है। ये स्प्रिंग प्रारम्भ से उन लोगों को आकर्षित करते रहे हैं जो अपनी विभिन्न बीमारियों का हल खनिज जालों में तलाशते रहे हैं। मैमथ हाट स्प्रिंग येलोस्टोन के गहरे वाल्कनीक बालों की बाह्य अभिव्यक्ति कहे जा सकते हैं, हालाँकि ये स्प्रिंग काल्डेरा क्षेत्र से बाहर हैं लेकिन फिर भी विशेषज्ञों की मने तो इनमें गर्म हवाओं का प्रवाहन येलोस्टोन के उन्हीं मग्नामैटिक प्रणाली से हैं जो यहाँ के अन्य तापीय क्षेत्रों को सक्रिय रखे हुए हैं.नारिस गाइजर बेसिन और मैमथ के बीच में फाल्ट लाइन है जिसके कारण उसके बीच में तापीय पानी बहता है.इस क्षेत्र में अनेक बासाल्ट इरप्शन हो चुके हैं, मैमथ क्षेत्र में गर्मी का स्रोत शायद बासाल्ट ही हैं।

तापीय गतिविधि इस इलाके में कई हजार वर्षों से जारी है, टेरेस पहाड़ी पर ट्रेवरटाइन की मोटी चादर चढ़ी हुई है. मैमथ हाट स्प्रिंग टेरेस उस पहाड़ी से जहाँ आज हमने इसे देखा आगे परेड ग्राउंड तक चले गए हैं और आगे जा कर बॉयलिंग नदी में मिल जाते हैं। देखा जाय तो मैमथ हाट स्प्रिंग होटल और फोर्ट येलोस्टोन पुरानी टेरेस संरचना पर ही बने हुए हैं.जब 1891 में जब फोर्ट की जमीन पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था तो यह चिंता व्यक्त की गयी थी कि नीचे की खोखली हुई जमीन भवन का भर नहीं संभल पाएगी, आज भी परेड ग्राउंड में अनेक बड़े आकार के गहरे होल देखे जा सकते हैं।

ग्रैंड प्रिस्मैटिक

यह तो सही है कि ओल्ड फेथफुल ज्यादा प्रसिद्ध है लेकिन येल्लोस्टोन पार्क में सबसे ज्यादा फोटो ग्रैंड प्रिस्मैटिक हाट स्प्रिंग के लेते हैं , इसका कारण इसके चमचमाते इंद्रधनुषी रंग और इसका विशाल आकार है.पार्क अधिकारियों ने इसके इर्द गिर्द विशाल आकार का बोर्ड-वाक बनाया है हम इस बोर्ड-वाक पर चलते चलते चमकीले नीले, पीले और अन्य रंगों के इस स्प्रिंग को केवल मन्त्र मुग्ध हो कर निहारते रहे.अब तक प्रकृति का ऐसा नजारा कहीं भी देखने को है.ये स्प्रिंग्स 10 मंजली बिल्डिंग जितने गहरे हैं , अंदर दरकी हुई जमीन से पानी 121 फीट ऊपर उछाल मार कर आता है ग्रैंड प्रिस्मैटिक का आकार फुटबॉल के मैदान जितना बड़ा है , ग्रैंड प्रिस्मैटिक के विभिन्न किस्म के रंग अतिशय गर्म वातावरण में जीवित रहने वाले बैक्टीरिया के कारण है, बीच का नीला रंग सब रंगों में ज्यादा प्रधान है क्योंकि क्योंकि पानी नीली वेब-लेंथ को सबसे ज्यादा बिखराता है.जिसके कारण आँख को नीला रंग दिखता है.

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में आया बिना ड्राइवर के चलने वाला ट्रैक्टर, दुनिया में बदलेगा खेती का तरीका

वॉशिंगटन। दुनियाभर में भविष्य में खेती कैसे होगी, इसका एक नजारा अमेरिका में दिखने लगा है। दिग्गज अमेरिकी कंपनी जॉन दीरे ने पहला बिना ड्राइवर के चलने वाला टैक्टर तैयार किया है। यह ट्रैक्टर किसान अपने स्मार्टफोन से कंट्रोल कर सकेंगे। यह ट्रैक्टर इतना स्मार्ट है कि इसके सामने अगर कोई पशु आ जाता है तो वह जुताई करना बंद कर देगा। यह सेल्फ ड्राइविंग ट्रैक्टर किसान दिन हो या रात 24 घंटे कभी भी चला सकेंगे। कंपनी ने इस ट्रैक्टर का नाम 8क्र रखा है। इस 8क्र ट्रैक्टर को लॉस वेगास में बुधवार को कंज्यूमर इलेक्ट्रानिक्स शो में पेश किया गया है। अमेरिका में साल 2019 से ही कुछ किसान इस ट्रैक्टर का इस्तेमाल कर रहे हैं। कंपनी का दावा है कि इस ट्रैक्टर से दुनिया में कर्मचारियों का संकट खत्म हो जाएगा। इस ट्रैक्टर में 6 जोड़ी कैमरे लगाए गए हैं और यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस है। इस तकनीक से लैस होने की वजह से ट्रैक्टर अपने चारों ओर हर चीज की आसानी से जांच कर सकता है। अगर उसके रास्ते में कोई पशु या वस्तु आती है तो यह रुक जाता है।

कंपनी ने अभी इस ट्रैक्टर के दाम की घोषणा नहीं की:- कंपनी ने यह भी कहा है कि कैमरा और कंप्यूटर को किसी भी वर्तमान ट्रैक्टर में मात्र एक दिन में लगाया जा सकता है और फिर उसे चलाने के लिए ड्राइवर की जरूरत नहीं रहेगी। कंपनी इस साल ऐसे 20 ट्रैक्टर बनाने जा रही है और आने वाले वर्षों में बड़े पैमाने पर इसका निर्माण किया जाएगा। जॉन दीरे ने अभी यह नहीं बताया है कि वह ट्रैक्टर को बेचेगी या किसानों को लीज पर देगी। कंपनी ने अभी इस ट्रैक्टर के दाम की घोषणा नहीं की है। वहीं ब्रिटेन के किसानों के यूनियन ने इस ट्रैक्टर का स्वागत किया है।

स्मार्टफोन की मदद से दूर से चलाया जा सकेगा ट्रैक्टर:- जॉन दीरे कंपनी के मुख्य तकनीक अधिकारी जाहमी हिंडमैन ने कहा, %दुनियाभर की आबादी साल 2050 तक 8 अरब से 10 अरब होने का अनुमान है। इससे वैश्विक स्तर पर खाने की डिमांड 50 फीसदी तक बढ़ेगी।% उन्होंने बताया कि यह ट्रैक्टर एक दूर बैठे ऑफिस से एक स्मार्टफोन की मदद से चलाया जा सकेगा। किसानों को बस ट्रैक्टर का रास्ता तय करना होगा और उसे खेत में बीज गिराने की दर तय करना होगा। तकनीक की मदद से बिना ड्राइवर का ट्रैक्टर खेत तक जाएगा और सीधी रेखा में बीज गिरा देगा।

टेक्सास में बच्चों के अस्पताल फुल

अब 12 से 15 साल के बच्चों को फाइजर का बूस्टर डोज लगाने की तैयारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

दुनिया भर में बढ़ते कोरोना और ओमीक्रोन पर चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आ रही है। अमेरिका में बड़ी संख्या में बच्चे कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। इसमें नवजात से लेकर टीनएजर्स तक शामिल हैं। टेक्सास के चाइल्ड हॉस्पिटल बच्चों से पूरी तरह भरे हुए हैं। इनमें कई आईसीयू में भी एडमिट है। वहीं सरकार की ओर से अब 12 से 15 साल के बच्चों को बूस्टर डोज देने की तैयारी चल रही है।

अमेरिका में बच्चों को कोरोना

आंकड़े बताते हैं कि 12 दिसंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में कुल 79 कोविड जांच में सिर्फ 4 फीसदी बच्चे पॉजिटिव मिले थे। जिसमें 12 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। 26 दिसंबर से शुरू होने वाले हफ्ते में कुल 717 बच्चों की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जो कि कुल आंकड़ें का 27 फीसदी था। इसमें 87 को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। अब तो आलम ये है कि कई बच्चों को आईसीयू तक में भर्ती कराया गया है। उत्तरी टेक्सास के ये अस्पताल बताने के लिए काफी हैं कि पूरे अमेरिका में क्या हो रहा है?

10 गुना रफ्तार से बढ़ा कोविड

बच्चों में कोरोना को लेकर अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स और चिल्ड्रन हॉस्पिटल एसोसिएशन ने एक ज्वाइंट रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि पिछले चार सप्ताह में ष्ट्ठङ्क्ष्ठ-19 मामलों की संख्या में लगभग 150 फीसदी की वृद्धि हुई है। अफसोस की बात ये है कि अस्पताल में भर्ती ज्यादातर बच्चे पांच साल से कम उम्र के हैं। इनमें कई तो नवजात हैं। कोविड-19 से संक्रमित बच्चों की संख्या में दस गुना वृद्धि हुई है और इनके लिए कोई टीका भी नहीं है।

बच्चों को बूस्टर डोज लगाने की तैयारी

वहीं, यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने बुधवार को 12 से 15 साल के बच्चों को बूस्टर डोज देने की सिफारिश की। फाइजर और बायोएनटेक की वैक्सीन को 12-17 साल के बच्चों को तीसरी डोज के लिए पैनल ने वोट दिया है।

पांच महीने बाद तीसरी डोज की नौबत:- अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी ने सिफारिश की है कि 12 से 15 की उम्र तक के बच्चों के लिए उनकी दूसरी डोज के कम से कम पांच महीने बाद बूस्टर डोज दिया जाना चाहिए। अमेरिका में कोविड-19 के नए वेरिएंट के मामले रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों का मानना है कि कोविड 19 उनके अस्पतालों और बच्चों पर भारी पड़ रहा है। बूस्टर डोज एक ऐसा जरिया है जिससे इस महामारी से बचने में मदद मिल सकती है।

76 साल बाद मिला लेटर, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान सैनिक बेटे ने मां को भेजा था पत्र

वोबर्न (अमेरिका)

डाक विभाग केवल भारत में ही देर से चिट्ठियां नहीं पहुंचाता, बल्कि अमेरिका में तो आदमी के गुजर जाने के बाद पत्र पहुंचाता है। एक सैनिक ने अपनी मां को 76 साल पहले चिट्ठी लिखी थी जो अब उनके घर पहुंची। मगर न तो चिट्ठी लिखनेवाला बेटा और ना ही पत्र पाने वाली मां इस दुनिया में हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के खत्म होने के बाद जर्मनी में तैनात एक अमेरिकी सैनिक ने मैसाचुसेट्स में अपनी मां को पत्र भेजा था। 76 साल बाद उस चिट्ठी को आर्मी सार्जेंट की पत्नी को दिया गया। WFXT TV ने बुधवार को अपनी एक खबर में बताया कि दिसंबर 1945 में द्वितीय विश्वयुद्ध आधिकारिक तौर पर खत्म हो गया था। उसके बाद 22 साल के आर्मी सार्जेंट जॉन गोंजाल्विस ने वोबर्न में रह रही अपनी मां को एक पत्र लिखा था। पिट्सबर्ग में अमेरिकी डाक सेवा वितरण सुविधा (यूएसपीएस) को मिला ये पत्र 75 वर्ष से अधिक समय से बंद ही था। इसमें लिखा था कि %प्रिय मां, आज आपका एक और पत्र मिला और मैं खुश हूं कि सब ठीक है। जहां तक मेरी बात है, मैं भी ठीक हूं..लेकिन खाना ज्यादातर बहुत खराब मिलता है।% उन्होंने पत्र के आखिर में अपने हस्ताक्षर किए और लिखा कि %आपसे प्यार है.... आपका बेटा जॉनी। उम्मीद है, आपसे जल्द ही मिलूंगा। आर्मी सार्जेंट जॉन गोंजाल्विस का 2015 में निधन हो गया और उनकी मां का भी देहांत हो चुका है।

अचानक लिथियम क्यों बन गया दुनिया में 'हॉट केक'

चीन में बनती हैं सबसे ज्यादा बैटरियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग

इलेक्ट्रिक कारों में इस्तेमाल होने वाली बैटरी के दाम में इस साल तेज बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसकी वजह इन बैटरियों की मांग में हो रही तेज वृद्धि है। जबकि इस बैटरी को बनाने में इस्तेमाल होने वाले लिथियम और दूसरे कच्चे माल की सप्लाई नहीं बढ़ पा रही है। इलेक्ट्रिक कारों और ऐसी दूसरी सामग्रियों के बढ़ते इस्तेमाल ने लिथियम को एक कीमती खनिज बना दिया है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक लिथियम की खनन करने वाली कंपनियां मांग के मुताबिक सप्लाई बढ़ाने में नाकाम हो रही हैं। 2021 के आखिर में लिथियम कार्बोनेट का मूल्य रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। ऐसी बैटरियों का सबसे ज्यादा उत्पादन चीन में होता है। वहां बीते दिसंबर के आखिर में लिथियम कार्बोनेट की कीमत 41,060 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई थी। ये कीमत जनवरी 2021 की तुलना में पांच गुना ज्यादा थी। वेबसाइट निक्कईएशिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक कैथोड (बैटरी) में इस्तेमाल होने वाली दूसरी सामग्रियों के दाम भी तेजी से चढ़े हैं। कोबाल्ट का भाव बीते एक साल में दो गुना हो चुका है। अब ये अंतरराष्ट्रीय बाजार में 70 हजार डॉलर प्रति टन से अधिक के भाव पर मिल रहा है। इसी तरह निकल की कीमत भी चढ़ी है। उसके भाव में एक साल में 15 फीसदी की वृद्धि हुई है और अब यह 20 हजार डॉलर प्रति से ऊपर हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन सामग्रियों की कीमत में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण इलेक्ट्रिक कारों का चलन बढ़ना है। अमेरिकी वेबसाइट ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में दुनिया भर में अनुमानत: 56 लाख इलेक्ट्रिक कारें बिकीं। इनकी सबसे ज्यादा बिक्री चीन में हुई। 2022 में इलेक्ट्रिक कारों की मांग में और भी ज्यादा इजाफे का अनुमान है। इसकी वजह से लिथियम और दूसरे खनिज पदार्थों की मांग बढ़ गई है। मार्केट एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के मुताबिक 2021 में चार लाख 97 हजार टन से अधिक लिथियम की खपत हुई। 2022 में ये खपत साढ़ छह लाख टन तक पहुंच सकती है। कंपनी वूड मेकेंजी में बैटरी संबंधी रिसर्च डायरेक्टर गेविन मोंटगोमरी ने वेबसाइट निक्कई एशिया से कहा- लिथियम की कीमत के लिहाज से हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। अगले कुछ वर्षों तक ये वृद्धि जारी रहेगी।

नई दिल्ली में सर्द सुबह गणतंत्र दिवस परेड के लिए रिहर्सल के दौरान नौसेना के जवान।

दुबई एक्सपो 2022 में भारत पवेलियन की अपनी यात्रा के दौरान जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा।

चीन में अजीबोगरीब फैसला: पार्टनर से चीटिंग तलाक का आधार नहीं, पूरे देश में हो रही आलोचना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग

चीन की एक अदालत ने फैसला दिया है कि पति या पत्नी का व्याभिचार तलाक की अर्जी देने का आधार नहीं हो सकता। इस फैसले से चीन मीडिया में तलहका मचा हुआ है। कई विधि विशेषज्ञों ने कहा है कि अदालत निजी आजादी और व्यक्ति की जिम्मेदारी के बीच फर्क करने में नाकाम रही। ये फैसला पूर्वी चीन में एक प्रांतीय अदालत ने दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई और आरोप न हो, तो सिर्फ इसलिए तलाक की अर्जी नहीं दी जा सकती कि पति या पत्नी ने विवाहेतर संबंध बनाए हैं। शानदोंग प्रांत की कोर्ट ने दलील दी कि अगर कोई व्यक्ति किसी अन्य के साथ रह रहा हो, तभी चीनी कानून के तहत जीवनसाथी से तलाक का आधार बनता है। कोर्ट ने कहा कि प्रेम संबंधों में रहने वाले लोग अक्सर अपने प्रेमी या प्रेमिका के साथ नहीं रहते। इसलिए सिर्फ प्रेम संबंध के आधार पर पति या पत्नी तलाक की अर्जी नहीं दे सकते। न ही इस आधार पर वे मुआवजा का दावा कर सकते हैं।

फैसले की आलोचना

विश्लेषकों के मुताबिक कोर्ट ने संबंधों में धोखे को अहमियत नहीं दी है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा- 'अगर इस बात का सबूत हो कि किसी शादी-शुदा व्यक्ति ने विपरीत लिंगी किसी अन्य व्यक्ति के साथ कमरा बुक किया, तब भी यह नहीं माना जाएगा कि वे दोनों व्यक्ति साथ रह रहे हैं।' ये फैसला कोर्ट की वेबसाइट पर डाला गया था। फैसला बीते रविवार को आया। उसके बाद से इसकी इतने व्यापक रूप से आलोचना हुई कि अब फैसले को वेबसाइट से हटा दिया गया है। चीन की सरकार तलाक को हतोत्साहित करने की कोशिश में जुटी है। साल भर पहले उसने एक कानून पारित किया था, जिसके तहत तलाक मांगने वाले जोड़े को मेलमिलाप के लिए 30 दिन का समय देने का प्रावधान किया गया। कहा गया कि मुमकिन है कि तलाक भावावेश में मांगा गया हो और ठंडे दिमाग से सोचने के बाद पति-पत्नी अपना इरादा बदलें। शानदोंग की अदालत ने अपने फैसले में इस कानून का भी जिक्र किया।

हांगकांग की जीरो कोविड पॉलिसी: सख्त हॉस्टल से कम नहीं है यहां का आइसोलेशन वार्ड, सोने-जागने से लेकर खाने तक पर हैं कड़े नियम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज हांगकांग

दुनिया में एक बार फिर से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। तीसरी लहर के प्रकोप से बचने के लिए इस बार कोई भी देश ढिलाई नहीं बरतना चाहता। ऐसे में सभी देशों ने कड़े नियम लागू किए हैं, लेकिन चीन और हांगकांग ऐसे देश हैं, जो %जीरो कोविड पॉलिसी% पर काम कर रहे हैं। यहां पर आइसोलेशन के नियम दुनिया के अन्य देशों से कहीं ज्यादा कठिन हैं।

इन आइसोलेशन वार्ड में एक बार जाने वाले व्यक्ति को यह तक नहीं पता होता कि वह वापस कब आएगा। लंदन से हांगकांग पहुंचे एक व्यक्ति में कोरोना संक्रमण पाया गया था। इसके बाद उन्हें आइसोलेट कर दिया गया। आइसोलेशन वार्ड में रहते हुए उन्हें तीन सप्ताह से ज्यादा समय हो चुका है, इसके बावजूद वह सभी से अलग-थलग हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वह व्यक्ति 19 दिसंबर को लंदन से हांगकांग पहुंचा था। कोरोना की दोनों डोज के अलावा उसने बूस्टर खुराक भी ली थी। लंदन में हवाई जहाज में बैठने से पहले उसने कोरोना जांच करवाई थी। रिपोर्ट निगेटिव आई थी। हालांकि, हांगकांग पहुंचते ही वह संक्रमित हो गया और तीन सप्ताह बीत जाने के बाद भी आइसोलेशन में है।

कैसे बीतता है पूरा दिन

कोरोना संक्रमित ने बताया कि वह 24 घंटे एक बंद कमरे में बिताता है। सीएनएन ने एक रिपोर्ट में संक्रमित के हवाले से लिखा है कि उन्हें यह नहीं पता है कि वह यहां से कब निकल पाएंगे। वह ऐसा महसूस कर रहे हैं कि वह स्कूल में वापस आ गए हों। जहां आपके सुबह उठने, सोने और खाने का समय नियंत्रित है।

अस्पताल द्वारा निर्धारित की गई है दिनचर्या

हांगकांग के आइसोलेशन वार्ड में कोरोना संक्रमित व्यक्तियों के लिए दिनचर्या निर्धारित की गई है। सुबह आठ बजे एक अलार्म के माध्यम से उन्हें उठाया जाता है। उन्हें नियत समय पर भोजन दिया जाता है। बाकी दिन नेटफ्लिक्स व सोशल मीडिया पर बीतता है। इन संक्रमित व्यक्तियों के लिए दोपहर का वक्त गुजारना मुश्किल होता है, क्योंकि वह तब तक सोशल मीडिया व नेटफ्लिक्स से भी ऊब चुके होते हो।

न्यूज ब्रीफ

जोकोविच की मां ने दिया बयान, कहा- ऑस्ट्रेलिया ने मेरे बेटे को कैद करके रखा हुआ है

बेलग्रेड। टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की मां ने गुरुवार को आस्ट्रेलिया के अधिकारियों पर उनके बेटे को 'कैदी की तरह 'बहुत बुरे आवास में रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसके साथ 'अनुचित' सलूक हो रहा है। सर्बिया के 34 वर्षीय ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच को आस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों और उनकी सहायक सदस्यों के लिए कोविड-19 टीकाकरण की आवश्यकता में छूट दी गई थी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में प्रवेश करने पर उनका वीजा गुरुवार को रद्द कर दिया गया था और उन्हें हवाई अड्डे पर लगभग आठ घंटे तक रोके रखा गया था। उन्हें इसके बाद आव्रजन विभाग के होटल में रखा गया था, जहां से इस खिलाड़ी को निर्वासन का सामना करना पड़ सकता है। उनके वकीलों ने हालांकि अदालत में वीजा के फैसले को चुनौती दी थी। जोकोविच की मां ने कहा कि मेरी उससे बात हुई। वह ठीक था और सोने की कोशिश कर रहा था। एक मां के रूप में, मैं क्या कह सकती हूं? अगर आप एक मां हैं, तो आप बस कल्पना कर सकते हैं कि आप कैसा महसूस करेंगें। उन्होंने कहा कि मैं डरा हुआ महसूस कर रही हूं। पिछले 24 घंटों से, वे उसे एक कैदी की तरह रखे हुए है। यह जरा भी उचित नहीं है। यह मानवीय नहीं है। मुझे उम्मीद है कि वह इससे मजबूत होगा मुझे उम्मीद है कि वह जीतेगा। उसे बहुत बुरी जगह रखा गया है। वहां कीड़े है और बहुत गंदगी है। वहां का खाना भी बहुत बुरा है। वे उसे किसी बेहतर होटल या हमारे किराये के घर में जाने का मौका नहीं दे रहे हैं।

अफ्रीकी कप में ओबामेयांग कोरोना पॉजिटिव

याउंदे (कैमरन)। अफ्रीकी कप आफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट में गाबोन टीम के पियरे एमेरिक ओबामेयोंग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले मिडफील्डर मारियो लेमिना और सहायक कोच एनिसेट याला भी हवाई अड्डे पर जांच में पॉजिटिव पाये गए थे। टीम का यहां पहुंचने पर रैपिड एंटीजेन टेस्ट कराया गया और पॉजिटिव पाये गए तीनों सदस्यों के आगे और टेस्ट कराए गए हैं। गाबोन फुटबॉल महासंघ ने अपने फेसबुक पेज पर यह जानकारी दी। अगर दूसरी जांच में भी पॉजिटिव पाए गए तो आर्सनल के फॉरवर्ड ओबामेयांग कैमरन के खिलाफ सोमवार को अफ्रीकी कप का पहला और घाना के खिलाफ शुक्रवार को दूसरा मैच नहीं खेल सकेंगे। गाबोन टीम टूर्नामेंट से पहले दुबई में अभ्यास शिविर में थी।

तीसरे टेस्ट में हो सकती है विराट वापसी-कोच द्रविड़ ने दिया कोहली की चोट पर बड़ा अपडेट, कहा- कप्तान फिट नजर आ रहे हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली चोट के कारण बाहर हो गए थे। टीम की कमान केएल राहुल के हाथ में थी और दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया को 7 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी है। अब दोनों टीमों के बीच सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ खड़ी है। हार के बाद टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इस दौरान उनसे विराट कोहली को लेकर सवाल किए गए। द्रविड़ ने इस दौरान कोहली की इंजरी और उनकी फिटनेस पर अपडेट दी है। उन्होंने कहा, कोहली जिस तरह से नेट्स पर अभ्यास कर रहे हैं वो फिट नजर आ रहे हैं। हालांकि, अभी तक उन्होंने फिजियो से इस पर चर्चा नहीं की है, लेकिन जो कुछ सुन रहे हैं और उनके साथ बातचीत करने से लग रहा है उससे यही जान पड़ता है कि भारतीय टेस्ट कप्तान फिट हैं।

पीठ में अकड़न की वजह से नहीं खेला जोहान्सबर्ग टेस्ट:- दूसरे टेस्ट में विराट कोहली पीठ में अकड़न की वजह मुकाबला नहीं खेल सके। टॉस से कुछ ही मिनट पहले

इस मैच से विराट के बाहर होने की खबर सामने आई थी। उनकी जगह राहुल टॉस के लिए आए। राहुल ने बताया कि कोहली पीठ के ऊपरी हिस्से में अकड़न के कारण इस टेस्ट से बाहर हो गए हैं द्रविड़ के इस बयान से साफ पता चलता है कि विराट कोहली केपटाउन में खेले जाने वाले सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में वापसी कर सकते हैं।

जोहान्सबर्ग में भारत की पहली हार

जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में भारतीय टीम की 29 सालों में ये पहली हार थी। टीम इंडिया ने इस मैदान पर पहला टेस्ट साल 1992 में खेला था। वो मैच ड्रॉ रहा था। इस मुकाबले से पहले भारत ने यहां खेले 5 टेस्ट मैचों में से दो में जीत हासिल की थी, जबकि 3 मुकाबले ड्रॉ हुए थे। 29 साल में साउथ अफ्रीका की टीम कभी भी भारतीय टीम को मात नहीं दे पाई है, लेकिन गुरुवार को ये सिलसिला भी टूट गया।

पंत के खराब फॉर्म पर द्रविड़ का बड़ा बयान : कहा-

ऋषभ के खराब शॉट सिलेक्शन पर हम उनसे बात करेंगे, आप हर बार ऐसे नहीं खेल सकते

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जोहान्सबर्ग

जोहान्सबर्ग टेस्ट में टीम इंडिया को करारी हार का सामना करना पड़ा। मैच की दोनों पारियों में भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत फेल साबित हुए। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरे पंत तब आउट हुए जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। भारत का स्कोर 163/4 था। पुजारा और रहाणे आउट हो चुके थे, तब भारत को एक साझेदारी बनानी थी। पंत ने ऐसे में कगिसो रबाडा की गेंद पर आगे बढ़कर शॉट खेलना चाहा, लेकिन वह गेंद को सही टाइम नहीं कर सके और विकेटकीपर को कैच थमा बैठे। वो अपना खाता भी नहीं खोल पाए थे। मैच के बाद टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने पंत को लेकर बड़ा बयान दिया है। आइए आपको बताते हैं उन्होंने क्या कहा है?

शॉर्ट खेलने के समय को लेकर पंत से करेंगे बात

राहुल द्रविड़ ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, %हम जानते हैं कि पंत एक कमाल का बल्लेबाज है और वह सकारात्मक खेलता है। वह एक खास तरीके से बल्लेबाजी करता है और हाल के दिनों में इस तरह से बल्लेबाजी कर उसे सफलता भी मिली है, लेकिन हर बार आप वैसे नहीं खेल सकते। निश्चित रूप से हम उनसे इस बारे में बात करेंगे। उस शॉट को खेलने के समय और मैच की परिस्थिति को लेकर पर हम उनसे चर्चा करेंगे ये तय है।

हम पंत से उनका नेचुरल गेम बदलने को नहीं कहेंगे

द्रविड़ ने आगे कहा, कोई भी पंत को यह कहने नहीं जा रहा कि वो अपना गेम बदल दें, लेकिन कभी-कभी ऐसा करने के लिए समय भी देखना पड़ता है। मेरा मानना है कि जब आप मैदान पर नए-नए आए हैं तो थोड़ा वक्त बिताना ज्यादा सही होता है। वह एक सकारात्मक खिलाड़ी हैं।

वह ऐसा बल्लेबाज है जो हमारे लिए बहुत जल्दी मैच का पासा पलट सकता है। आप उनसे उनका नेचुरल गेम छोड़कर बिल्कुल अलग तरह से खेलने के लिए नहीं कह सकते। बस कई बार आपको एक बल्लेबाज के तौर पर यह समझना जरूरी होता है कि आपको कब विपक्षी टीम पर आक्रामक होना है।

संजय मांजरेकर ने किया पंत का बचाव

टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर पंत के बचाव में आए हैं। उन्होंने कहा कि पंत ने इतने छोटे करियर में दो कमाल की टेस्ट पारियां खेली हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई उनकी पारी कौन भूल सकता है। वो अपनी पारी के शुरुआत में ऐसे शॉट खेलते हैं। उनके खेलने का तरीका ही यही है। वो जल्दीबाजी या लापरवाही नहीं कर रहे हैं।

गंभीर ने भी पंत को सुनाई थी खरी-खरी

गंभीर ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरी पारी में पंत के आउट होने के बाद कहा था, %पुजारा और रहाणे अच्छी साझेदारी कर भारत को मैच में वापस ले आए थे। अगर पंत 20-25 रन भी बनाते तो भारत मजबूत स्थिति में होता। बहादुरी और बेवकूफी में बहुत कम अंतर होता है और पंत ने बेवकूफी की है। आपको इस तरह के दबाव से निपटना आना चाहिए।

टी-20 क्रिकेट में लागू हुए नए नियम

धीमी ओवर गति पर मिलेगी सजा, अब फटाफट क्रिकेट में भी होंगे ड्रिंक्स ब्रेक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आईसीसी ने इंटरनेशनल टी-20 मैचों के लिए नए नियम बनाए हैं। अब धीमी ओवर रेट पर पेनल्टी का नियम लागू कर दिया गया है। अब टी-20 मैच के दौरान ड्रिंक्स भी लिया जा सकता है। जनवरी 2022 से यह नियम लागू हो रहे हैं। नए नियमों के अनुसार अगर कोई टीम ओवर रेट में तय समय से पीछे होगी, तो बाकी के बचे हुए ओवर्स में एक फील्डर 30 गज के दायरे से बाहर खड़ा नहीं हो पाएगा। उसे 30 गज के दायरे में खड़ा होना होगा। अभी तक स्लो ओवर रेट रहने पर केवल जुर्माना लगता था और दोषी टीम के खिलाड़ियों के पैसे काटे जाते थे। साथ ही टीम के कप्तान को डिमेरिट पॉइंट भी मिलता था। नया नियम आने के बाद भी पुरानी सजाएं बनी रहेंगी। इन नियमों के आने के बाद पहला इंटरनेशनल टी20 मुकाबला वेस्टइंडीज और आयरलैंड के बीच 16 जनवरी को जमैका के सबाइना पार्क में खेला जाएगा। वहीं महिला क्रिकेट में साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच 18 जनवरी को इन नियमों के तहत पहला मैच होगा। आईसीसी की ओर से जारी बयान में कहा

गया, ओवर रेट के नियम पहले से तय हैं। इनके तहत फील्डिंग करने वाली टीम तय समय में आखिरी ओवर की पहली गेंद फेंकने की स्थिति में होनी चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं कर पाते हैं तो अब बचे हुए ओवर्स में 30 गज से बाहर उनका एक फील्डर कम रहेगा। यह बदलाव आईसीसी क्रिकेट कमिटी की सिफारिश पर लागू किए गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की ओर से आयोजित दी हंड्रेड टूर्नामेंट में इस तरह का नियम देखने के बाद विचार किया। ऐसा सभी फॉर्मेट में खेल की रफ्तार को सुधारने के लिए किया गया है। आईसीसी ने टी-20 मुकाबलों के दौरान पारी के बीच में ड्रिंक्स इंटरवल को भी अनुमति दी है। यह इंटरवल ऑप्शनल रहेगा। यानी कोई टीम चाहे तो ले सकती है। यह ब्रेक ढाई मिनट का रहेगा।

काटोलिका ,इटली। 31 देशो के 124 खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे वेरगानी कप इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें राउंड मे भारत के युवा कैंडीडेट मास्टर प्राणीत वुपाला नें सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए प्रतियोगिता के दूसरे वरीय ग्रांड मास्टर यूएसए के नीमन हंस मोके को पराजित कर दिया । सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए प्राणीत नें राय लोपेज ओपनिंग मे एक बेहद आक्रामक खेल दिखाते हुए 36 चालों मे नीमन को हार मानने पर विवश कर दिया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

पुजारा-रहाणे पर बोले गावस्कर, कभी-कभी हम सीनियर खिलाड़ियों के प्रति काफी सख्त हो जाते हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जोहानिसबर्ग

महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर को लगता है कि चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे उस भरोसे पर खरे उतरे जो उन पर दिखाया गया था और साथ ही उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं से उत्साहित हो जाना आसान होता है लेकिन टीम को अपने सीनियर खिलाड़ियों पर तब तक भरोसा दिखाना जारी रखना चाहिए जब तक वे 'खराब तरीके से आउट नहीं होने लगे%। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद आलोचनाओं से घिरे पुजारा और रहाणे ने बल्ले से अच्छा खेल दिखाया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में अर्धशतक बनाए। गावस्कर ने कहा, 'वे अनुभवी हैं और उन्होंने टीम के

लिये बीते समय में जो कुछ किया है, उससे टीम ने उनका समर्थन किया। उन्हें खुद पर भरोसा था कि वे अच्छा करेंगे और उन्होंने ऐसा किया भी। उन्होंने कहा, 'कभी कभार हम अपने सीनियर खिलाड़ियों के प्रति थोड़ा सख्त हो सकते हैं क्योंकि आपके पास रोमांचक युवा खिलाड़ी इंतजार कर रहे होते हैं और हम सभी उन्हें थोड़ा खेलते हुए देखना चाहते हैं गावस्कर ने कहा, 'लेकिन जब तक ये सीनियर खिलाड़ी अच्छा खेल रहे हैं और बुरी तरह से आउट नहीं हो रहे, तो मुझे लगता है कि हमें उन पर भरोसा दिखाना चाहिए।% नियमित कप्तान विराट कोहली टॉस से तुरंत पहले पीठ में दर्द के कारण दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने कहा, 'यह पहली बार है जब भारत ने एक टेस्ट मैच गंवाया जिसमें विराट कोहली नहीं खेले थे। उन्होंने (टीम ने) सिडनी में एक मैच ड्रा खेला था, वर्ना वे हमेशा जीते ही थे। रहाणे और पुजारा की पारियों के बावजूद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को रोक नहीं सकी, विशेषकर कप्तान डीन एल्गर को जिन्होंने महत्वपूर्ण साझेदारी से मेजबानों को सीरीज में 1-1 की बराबरी पर ला दिया। गावस्कर कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल के मैदान पर खिलाड़ियों को सजाने के तरीके से प्रभावित नहीं थे। साथ ही उन्होंने भारतीय क्षेत्ररक्षण की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि डीन एल्गर को पारी की शुरूआत में वो एक एक रन देना उनके लिए चीजें आसान कर रहा था।% गावस्कर ने कहा, 'भारतीय क्षेत्ररक्षण थोड़ा अच्छा हो सकता था। लेकिन मैच दक्षिण अफ्रीका ने जीता। मुझे नहीं लगता कि भारतीयों ने इसे गंवाया बल्कि दक्षिण अफ्रीका ने यह मैच जीता।

न्यूज ब्रीफ

बिटकॉइन और इथीरियम सहित ज्यादातर प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में बड़ी गिरावट, बिटकॉइन 2.47 लाख से ज्यादा फिसला

नई दिल्ली। बीते 24 घंटों में लगभग सभी क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट देखने को मिली है। बिटकॉइन, इथीरियम और कारडानो जैसी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। आज यानी गुरुवार को बिटकॉइन शाम 5 बजे 6.65 फीसदी (24 घंटे में) की गिरावट के साथ 34.70 लाख रुपए पर कारोबार कर रहा है। इस दौरान इसकी कीमत में 2.47 लाख रुपए की गिरावट आई है। इथीरियम की बात करें तो ये भी 10.49 फीसदी गिरकर पर 2.72 लाख रुपए पर आ गई है। टेदर और स्ठ कॉइन में आज तेजी देखने को मिल रही है। टेदर आज 1.43 फीसदी बढ़ा है। यह बीते 24 घंटों में 1.14 रुपए बढ़कर 81 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं स्ठ कॉइन में 1.43 फीसदी की तेजी आई है। शेयर बाजार में आज भारी गिरावट रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 621 पॉइंट्स गिर कर 59,601 पर बंद हुआ। उधर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 179 अंक गिरकर 17,745 पर बंद हुआ। यह 17,768 पर खुला था।

मेक्रोटेक डेवलपर्स के शेयर में तीन फीसदी से अधिक की बढ़त

नई दिल्ली। रियल्टी क्षेत्र की कंपनी मेक्रोटेक डेवलपर्स लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को तीन फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। यह वृद्धि दिसंबर की तिमाही में कंपनी के बिक्री आंकड़ों में 40 फीसदी के इजाफे के कारण हुई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 3.23 फीसदी वृद्धि के साथ 1,240 रुपये पर पहुंच गया और एनएसई पर 3.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,238.30 रुपये पर पहुंच गया। मेक्रोटेक डेवलपर्स ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि घरों की अधिक मांग के चलते दिसंबर में खत्म तिमाही में बिक्री 40 फीसदी बढ़ गई। उसने कहा कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बिक्री का आंकड़ा 2,608 करोड़ रुपये रहा जो एक वर्ष पहले इस अवधि में 1,862 करोड़ रुपये था।

कमजोर हाजिर मांग के कारण कच्चातेल वायदा कीमतों में हानि

नई दिल्ली। कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार को घटाने से वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को कच्चे तेल की कीमत 34 रुपये की गिरावट के साथ 5 मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के जनवरी माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 34 रुपये अथवा 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,794 रुपये प्रति बैरल रह गई जिसमें 9,951 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर हाजिर मांग के बीच व्यापारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से वायदा कारोबार में कच्चा तेल कीमतों में गिरावट आई।

जोमैटो, नायका, पेटीएम, पॉलिसीबाजार समेत 13 कंपनियों के स्टॉक को लार्ज कैप कैटेगरी में डाला

स्टॉक का वर्गीकरण : जोमैटो, नायका, पेटीएम बने लॉर्ज कैप शेयर, बंधन, यस और पीएनबी की कैटेगरी घटी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड्स इंडस्ट्री के संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एम्फी) ने शेयर्स का नया वर्गीकरण जारी कर दिया है। नई लिस्ट फरवरी-जुलाई 2022 के लिए है। इसमें हाल में लिस्ट हुईं स्टार्टअप कंपनियों जोमैटो, नायका, पेटीएम, पॉलिसीबाजार समेत 13 कंपनियों के स्टॉक को लार्ज कैप कैटेगरी में डाला गया है। वहीं, बंधन बैंक, यस बैंक और पंजाब नेशनल बैंक समेत 13 कंपनियों का लार्ज कैप से मिड कैप कैटेगरी में डाल दिया गया है।

20 कंपनियों को स्माल कैप में भेजा गया

एम्फी के मुताबिक, 20 कंपनियों को मिड कैप से हटाकर स्माल कैप कैटेगरी में डाला गया है। स्माल कैप से मिड कैप में आने वाली प्रमुख कंपनियों में छ्स्क्क, क्लीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी लि., गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड, हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं। इसी तरह निरमा ग्रुप की कंपनी और हाल में लिस्ट हुई नुवोको विस्टास कॉर्पोरेशन, इंडियन एनर्जी एक्सचेंज भी मिड कैप में आ गई हैं।

लार्ज कैप में 13 स्टॉक को शामिल किया गया

इसमें हालिया लिस्टेड स्टार्टअप भी हैं

13 कंपनियों को लार्ज से मिड कैप में डाला गया

20 स्टॉक को मिड कैप से स्माल कैप में डाला गया

आदित्य बिड़ला भी मिड कैप में

पिछले साल लिस्ट हुई चौथी म्यूचुअल फंड कंपनी आदित्य बिड़ला सन लाइफ, स्ठ्ठ, त्रक्र इंफ्राप्रोजेक्ट्स, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी, ट्राइडेंट, एप्टस वैल्यू हाउसिंग फाइनेंस, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स, देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड, ग्रिंडवेल नॉर्टन के शेयर भी अब मिड कैप बन गए हैं। जो शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होने के बाद डायरेक्ट मिडकैप में आए हैं उसमें स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस है।

बंधन और बॉश शेयर बने मिड कैप

लार्ज कैप से मिडकैप में जिन शेयर्स को शामिल किया गया है उसमें बंधन बैंक, बॉश, चोलामंडलम इन्वेस्ट, पीएंडजी हाइजीन, अरबिंदो फार्मा, एनएमडीसी और ल्यूपिन शामिल हैं। इसी तरह बैंक ऑफ बड़ौदा, बायोकॉन, कोलगेट-पामोलिव इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, हनी वैल ऑटोमेशन, यस बैंक भी अब मिड कैप बन गए हैं।

शेयर्स में आने वाले फंड पर असर

दरअसल इस क्लासिफिकेशन का असर यह होगा कि जो शेयर्र जिस कैटेगरी में होंगे, उसी आधार पर उसमें म्यूचुअल फंड निवेश करते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर कोई शेयर स्माल कैप से लार्ज कैप बनता है तो उसमें ज्यादा निवेश होगा। जबकि स्माल कैप में कम निवेश होगा।

शेयरों के वर्गीकरण का सीधा असर इन शेयरों में आने वाले फंड फ्लो पर पड़ता है। लार्जकैप में सबसे ज्यादा फंड आता है। म्यूचुअल फंड निवेश करते समय वर्गीकरण का ध्यान रखते हैं। उदाहरण के लिए म्यूचुअल फंड के लार्ज कैप फंड सिर्फ लार्ज कैप कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी संख्या महज 100 है। ऐसे में लार्ज कैप बनने वाली कंपनियों जोमैटो, नायका, पेटीएम, पॉलिसी बाजार, माइंडट्री, SRF,एं IRCTC, टाटा पावर, एम्फैसिस, गोदरेज प्रॉपर्टीज, मैक्रोटेक डेवलपर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और JSW एनर्जी को इसका फायदा मिलेगा।

आईडीबीआई के लिए सरकार ने मांगी ढील

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकार ने आईडीबीआई बैंक के नए खरीदार के लिए प्रवर्तक हिस्सेदारी की सीमा में ढील दिए जाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से संपर्क किया है। केंद्र आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश शुरू करने के बारे में विचार कर रहा है, इसलिए उसने बैंक के नए प्रवर्तकों को 26 फीसदी हिस्सेदारी की सीमा में ढील देने की मांग की है। आरबीआई केंद्र के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है क्योंकि सरकार ने आईडीबीआई बैंक की बिक्री के लिए अभिरुचि पत्र (ईओआई) और प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआईएम) जारी

करने की योजना बनाई है। निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश की खातिर शर्तें तय करने के लिए पिछले महीने के आखिर में आरबीआई और सरकार द्वारा नियुक्त बिचौलियों के साथ सलाह-मशविरा किया था। इस घटनाक्रम से परिचित लोगों के मुताबिक, %26 फीसदी की सीमा में ढील देनी होगी क्योंकि नया खरीदार आईडीबीआई बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी रखना चाहेगा।% इस समय आईडीबीआई बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 45.5 फीसदी और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की 49.2 फीसदी है। इन सूत्रों ने कहा कि कंसोर्टियम के जरिये भी बोली को मंजूरी दी जाएगी लेकिन व्यक्तिगत प्रवर्तकों को बैंक में ज्यादा हिस्सेदारी रखने की मंजूरी देने की मांग भी की गई है। सरकार के साथ विचार-विमर्श के बाद आरबीआई हिस्सेदारी सीमा में ढील देने के बारे में विचार कर रहा है। इंडिया रेटिंग्स ऐंड रिसर्च में निदेशक प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि मौजूदा नियमन प्रवर्तकों के लिए भी 26 फीसदी तक की सीमा तय करते हैं और इस सीमा से अधिक हिस्सेदारी के लिए आरबीआई से विशेष मंजूरी की दरकार होगी। अग्रवाल ने कहा कि आरबीआई ने पहले भी अधिक हिस्सेदारी को मंजूरी दी है, लेकिन इसने एक समयावधि में प्रवर्तक हिस्सेदारी घटाने का खाका तैयार किया है। ऐसा पहली बार नहीं होगा कि केंद्रीय बैंक आईडीबीआई बैंक के लिए प्रवर्तक हिस्सेदारी की सीमा में रियायत देने के बारे में विचार करेगा। वर्ष 2018 में भी आरबीआई ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में 51 फीसदी हिस्सेदारी रखने की मंजूरी दी थी।

विग्जो टेक में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी शिपरॉकेट

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की शिपिंग फर्म शिपरॉकेट ने शुक्रवार को कहा कि उसने ग्राहक डेटा मंच (सीडीपी) विग्जो टेक में 75 हिस्सेदारी खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। शिपरॉकेट ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस प्रस्तावित रणनीतिक अधिग्रहण से कंपनी को अपने मंच पर ऑनलाइन खुदरा व्यापारियों के लिए उपलब्ध उत्पादों का विस्तार करने में मदद मिलेगी। शिपरॉकेट के अनुसार दोनों ब्रांड ई-कॉमर्स विक्रेताओं के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान कर उपभोक्ताओं को अच्छा अनुभव प्रदान करने के लिए एक दूसरे के पूरक बनेंगे। विग्जो टेक विशेष रूप से ई-कॉमर्स और डी2सी (सीधे उपभोक्ता तक) कंपनियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करती है।

तीसरी लहर की आहट से आपात मोड में उद्योग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पहले देखो और इंतजार करो की नीति पर चल रहा भारतीय उद्योग जगत अब कोविड और ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के मद्देनजर आपात स्थिति की तैयारी में जुट गया है। महामारी की तीसरी लहर को देखते हुए कामकाज को रिमोट और लचीला बनाने, सुरक्षा मानकों का पालन करने और केवल आवश्यक यात्रा की अनुमति की व्यवस्था फिर से लागू की जा रही है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में ओमीक्रोन के मामले तेजी से बढने की वजह से लगभग सभी क्षेत्र की कंपनियां या तो पूरी तरह वर्क फ्रॉम होम मोड को अपना रही हैं या केवल आवश्यक संख्या में कर्मचारियों को चुनिंदा दिनों में कार्यालय बुला रही हैं। कई कंपनियों ने संक्रमण घटने के समय हाइब्रिड मॉडल अपनाया था लेकिन इस हफ्ते रिमोट से काम करना शुरू कर दिया है। कोविड के संक्रमण को देखते हुए आईटीसी ने इस हफ्ते से अपनी नीति में बदलाव किया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई और कोलकाता के दफ्तर में यदि बहुत जरूरी हो तभी कर्मचारियों को बुलाने की अनुमति दी गई है। इसके साथ ही दफ्तर आने के लिए पूर्व अनुमति लेनी होगी। कंपनी हाइब्रिड मॉडल के तहत काम कर रही थी। अन्य शहरों के लिए आईटीसी ने बारी-बारी से 30 फीसदी कर्मचारियों को कार्यालय बुलाने की व्यवस्था की है, जिसे 50 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। अदाणी विल्मर के मुख्य कार्याधिकारी ए मलिक ने कहा कि कंपनी सरकार के दिशानिर्देशों के मुताबिक 50 फीसदी कर्मचारियों को ही दफ्तर बुला रही है। उन्होंने कहा, %हमने महामारी की पिछली दो लहर से सीखा है कि आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है, इसलिए हमने अतिरिक्त स्टॉक सुनिश्चित किया है ताकि आपूर्ति श्रृंखला और कारखाने पर कोई असर न पड़े और आवश्यक जिंसों की किल्लत भी न हो।% इस हफ्ते की शुरुआत में गोदरेज हाउसिंग फाइनैंस ने सभी टीमों को घर से काम करने को कहा। कंपनी ने हाइब्रिड कार्य मॉडल अपनाया था और अधिकांश टीमें बारी-बारी से 50 फीसदी क्षमता के हिसाब से कार्यालय आ रही थीं। लेकिन अब सेल्स टीम को भी पूरी तरह से घर से काम करने के लिए कह दिया गया है।

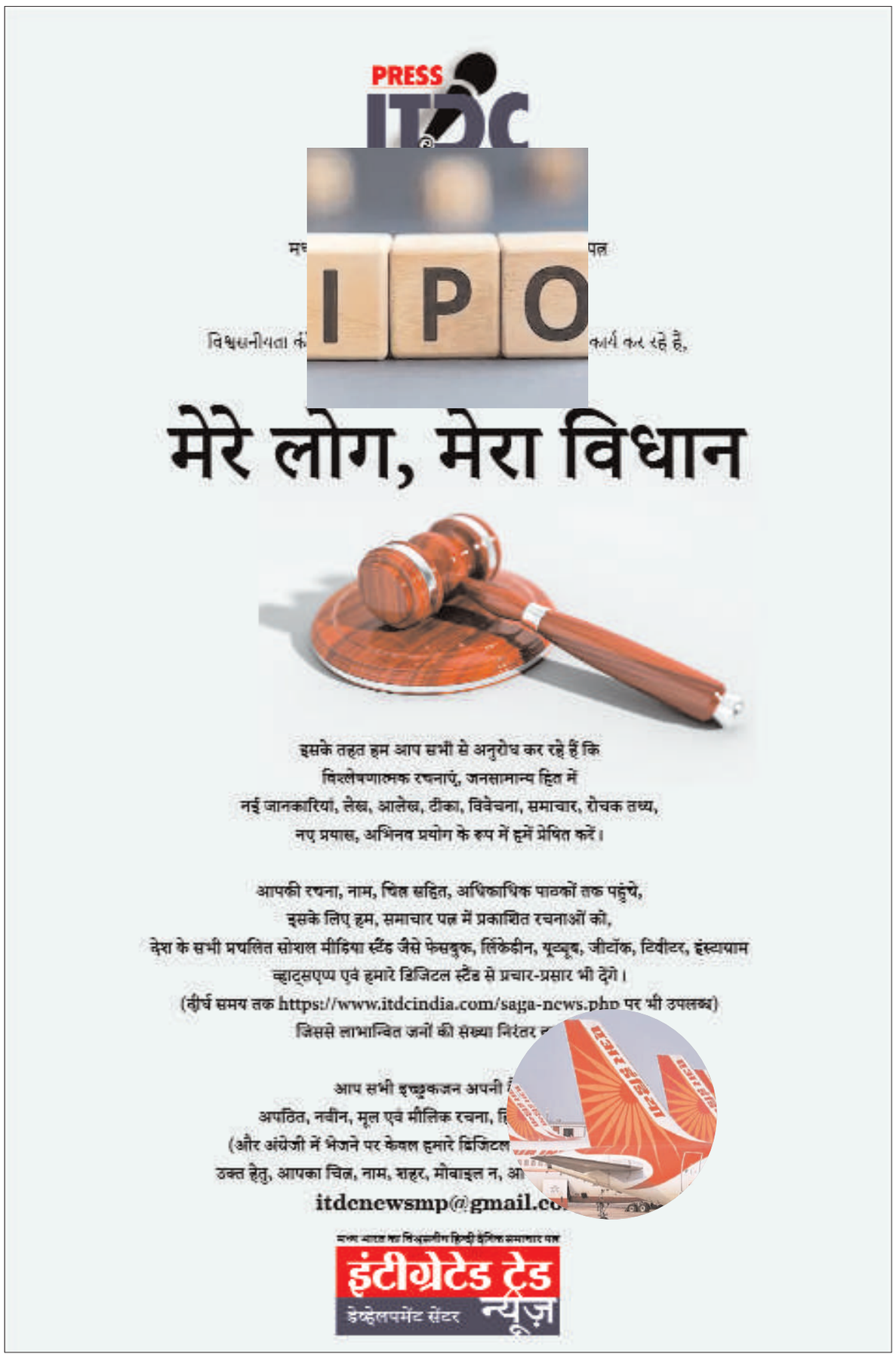

हर कदम पर सर्विस:जल्द ही 200 रेलवे स्टेशन पर बिल पेमेंट, रिचार्ज करा सकेंगे, आधार पैन कार्ड की सुविधा मिलेगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आने वाले दिनों में जल्द ही आप 200 रेलवे स्टेशन पर काफी सारी सुविधाएं हासिल कर सकेंगे। इसमें बिल पेमेंट से लेकर रिचार्ज और आधार तथा पैन कार्ड जैसी सेवाएं मिलेंगी। दरअसल रेलटेल ने इस तरह की सुविधा की शुरुआत की है। इसकी योजना देश भर के 200 रेलवे स्टेशन पर इस तरह के कियॉस्क लगाने की है। यहां पर आप आधार और पैन कार्ड का फॉर्म भर सकेंगे। यहां तक कि कॉमन सर्विस सेंटर की मदद से टैक्स भी भर सकते हैं। यह स्कीम CSC -e गवर्नेंस सर्विसेस इंडिया और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इँफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय की साझेदारी में शुरू होगी।

गांव स्तर पर शुरू किया जाएगा

इस कियॉस्क को गांव स्तर पर उद्यमियों के साथ शुरू किया जाएगा। इसमें ष्टस्ष्ट की सभी सेवाएं मिलेंगी। ट्रेन, हवाई और बसों के टिकट से लेकर आधार कार्ड, वोटर कार्ड, मोबाइल रिचार्ज, बिजली बिल पेमेंट आदि

प्रयागराज और वाराणसी में पायलट प्रोजेक्ट शुरू | सभी तरह की ई-गवर्नेंस सुविधा मिलेगी | रेलवे के हर जोन में लगेगा यह कियॉस्क

की सुविधा होगी। बैंकिंग सेवाओं से लेकर बीमा और अन्य सेवाएं भी इसमें दी जाएंगी।

रेलवायर साथी कियॉस्क नाम होगा

इस कियॉस्क का नाम रेलवायर साथी कियॉस्क होगा। रेलवायर रेलटेल का रिटेल ब्रॉडबैंड सेवा का ब्रांड है। रेल वायर साथी CSC कियॉस्क वाराणसी सिटी और प्रयागराज सिटी स्टेशन पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हो चुका है। इसी तरह के 200 रेलवे स्टेशन को चुना जाएगा।

हर जोन में होगी सर्विस

इन 200 रेलवे स्टेशन में से 44 दक्षिण मध्य रेलवे जोन में, 20 उत्तर फ्रंटियर रेलवे, 13 पूर्व मध्य रेलवे, 15 पश्चिमी रेलवे, 25 उत्तरी रेलवे, 12 पश्चिम सेंट्रल रेलवे, 13 पूर्व रेलवे और 56 उत्तरी पूर्वी रेलवे जोन में होंगे। रेलटेल के चेयरमैन पुनीत चावला ने कहा कि गांव वाले क्षेत्र में लोगों को तमाम e-गवर्नेंस सेवाओं में मुश्किलें आती हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।